DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY, AURANGABAD.

Circular / Acad Sec./ P.G./Rev. Curri./Col. & Uni.Cam./ 2021.

It is hereby inform to all concerned that, on the recommendation of Dean of Faculty of Humanities, the Academic Council it's Meeting held on 01st November, 2021 **has accepted the *"following Revised Curriculum of Post Graduate Courses for affiliated Colleges & University Campus"*** as per appended herewith.

Sr. No.	P. G. Course Name	Semesters
01.	M. A. Sociology	Ist to IVth
02.	M. A. History	Ist to IVth
03.	M. A. Hindi	Ist to IVth
04.	M. A. Geography	Ist to IVth
05.	M. A. Political Science	Ist to IVth
06.	M. A. Thoughts of Mahatma Phule and Dr. Babasaheb Ambedkar	Ist & IInd
07.	M. A. Psychology	Ist & IIed
08.	Certificate Course in Counselling Psychology	-

This is effective from the Academic Year 2021-22 and Onwards as appended herewith.

All concerned are requested to note the contents of this circular and bring notice to the students, teachers and staff for their information and necessary action.

University campus,
Aurangabad-431 004.
Ref. No. SU/Col. & UC/P.G./
Course/2021/ 3887-98

Date: 29.11.2021.

****

Deputy Registrar,
Academic.

:: 02 ::

Copy forwarded with compliments to:-

1] **The Head, all concerned departments,**
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.
2] **The Principal, all affiliated colleges,**
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.
3] **The Director,** University Network & Information Centre, UNIC,
with **a request to upload this Circular on University Website.**

Copy to :-

1] **The Director, Board of Examinations & Evaluation,**
2] **The Section Officer, [M.A. Unit] Examination Branch,**
3] The Section Officer, [Eligibility Unit],
4] The Programmer [Computer Unit-1] Examinations,
5] The Programmer [Computer Unit-2] Examinations,
6] The In-charge, [E-Suvidha Kendra],
7] The Public Relation Officer,
8] The Record Keeper,
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.

-=**=-

DrK*291121/-

Dr.Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad

Curriculum Under Choice Based Credit & Grading System

M.A. I & II

HINDI

SEMESTER –I TO IV

Academic Year 2021-2022 & onwards

15/11/21

प्रोफेसर डॉ. शिवाजी सांगोळे
अध्यक्ष
हिन्दी अभ्यास मंडळ (B.O.S.
डॉ बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा
विद्यापीठ,औरंगाबाद

MA I- Hindi Semester –I

	Theory Courses			
	Course No	Subject Title	Credits Teaching Learing	Work Load/ Weekly/Hours
Core Coure	Hindi 401	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल तथा भक्तिकाल)	4	5
	Hindi 402	भारतीय साहित्यशास्त्र	4	5
	Hindi 403	आदि तथा मध्यकालीन काव्य	4	5
वैकल्पिक प्रश्नपत्र विधा विशेष	Hindi 407	हिंदी कथा साहित्य	4	5
	Hindi 408	हिंदी कथेतर साहित्य	4	5
	Hindi 409	हिदी काव्य साहित्य	4	5
	Hindi 410	नाटक एवं एकांकी साहित्य	4	5
	Hindi 411	प्रवासी हिन्दी साहत्यि	4	5
	Hindi 412	अनूदित समकालीन मराठी कविता	4	5
अनिवार्य	Hindi 413	भारतीय संविधान	2	2
MA I- Hindi Semester –II				
Core Coure	Hindi 404	आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास	4	5
	Hindi 405	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र	4	5
	Hindi 406	आधुनिक कालीन हिंदी काव्य	4	5
वैकल्पिक प्रश्नपत्र मध्यकालीन कवि	Hindi 414	संत कबीर	4	5
	Hindi 415	सूरदास	4	5
	Hindi 416	संत मीराबाई	4	5
	Hindi 417	तुलसीदास	4	5
	Hindi 418	जायसी	4	5
	Hindi 419	रहीम	4	5
अनिवार्य	Hindi 420	पुस्तक परीक्षण तथा सृजनात्मक लेखन	2	2

MA II - Hindi Semester –III

	Theory Courses			
	Course No	Subject Title	Credits Teaching Learing	Work Load/ Weekly/Hours
Core Coure	Hindi 501	भारतीय साहित्य : सैद्धांतिक पक्ष	4	5
	Hindi 502	हिंदी भाषा का इतिहास	4	5
	Hindi 503	प्रयोजनमूलक हिंदी	4	5
वैकल्पिक प्रश्नपत्र रोजगारमूलक हिंदी	Hindi 507	कार्यालयीन हिंदी	4	5
	Hindi 508	माध्यम लेखन	4	5
	Hindi 509	अनुवाद विज्ञान	4	5
	Hindi 510	हिंदी कम्प्यूटरिंग	4	5
	Hindi 511	भाषिक संप्रेषण	4	5
	Hindi 512	भाषा शिक्षण	4	5

MA II - Hindi Semester -IV

Core Coure	Hindi 504	भारतीय साहित्य : रचना एवं रचनाकार	4	5
	Hindi 505	भाषाविज्ञान	4	5
	Hindi 506	शोध प्रविधि	4	5
वैकल्पिक प्रश्नपत्र	Hindi 513	हिंदी के विभिन्न विमर्श : सामान्य परिचय	4	5
	Hindi 514	आलोचना तथा विविध वाद	4	5
	Hindi 515	विधा स्वरूप विवेचन	4	5
	Hindi 516	विशेष रचनाकार -प्रेमचंद	4	5
	Hindi 517	विशेष रचनाकार- सुशीला टाकभौरे	4	5
	Hindi 518	विशेष रचनाकार - शंकर पुणतांबेकर	4	5

MA – I Hindi Semester –I

Core Course - 401 हिंदी साहित्य का इतिहास

• **उद्देश्य :-** १. साहित्य इतिहास लेखन तथा उसकी परम्परा का अध्ययन २. साहित्य और युगबोध के संबंधों का अध्ययन ३. साहित्य अध्ययन की ऐतिहासिक दृष्टि का विकास	
• **अध्ययन -अध्यापन पद्धति :-** १. व्याख्यान २. दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग ३. गोष्ठी,परिचर्चा एवं स्वाध्याय ४. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान	
• **पाठयांश**	**तासिकाएँ**
1. इतिहास दर्शन और साहित्य इतिहास परंपरा :- इतिहास से तात्पर्य, साहित्य इतिहास की अवधारणा एवं स्वरूप, साहित्य इतिहास और साहित्य विकास के सिद्धांत, हिंदी साहित्य इतिहास की आधारभूत सामग्री , साहित्येतिहास लेखनः परम्परा और प्रयोग	10
2. हिंदी साहित्य का आदिकाल :- पृष्ठभूमि,सिद्ध,नाथ,जैन, रासो तथा श्रृंगार काव्यधारा का प्रवृत्यात्मक परिचय,प्रतिनिधि रचनाकार-सरहप्पा,शालिभद्रसूरि, गोरखनाथ, चंदबरदायी, नरपति नाल्ह, अमीर खुसरो, विद्यापति	10
3. भक्तिकाल :- पृष्ठभूमि,भक्ति-काव्य उद्भावना की विभिन्न मान्यताएँ	05
4. ज्ञानमार्गी काव्यधारा :- सन्तकाव्य : प्रवृत्यात्मक अध्ययन, सूफी काव्यः प्रवृत्यात्मक अध्ययन, प्रतिनिधि रचनाकार :- कबीर, नानक,जायसी	10
5. सगुण काव्यधारा :- रामकाव्य तथा कृष्ण काव्य : प्रवृत्यात्मक अध्ययन प्रतिनिधि रचनाकार : तुलसीदास,सूरदास	10

6. रीतिकाल :- पृष्ठभूमि, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त काव्यधारा का प्रवृत्यात्मक अध्ययन, प्रतिनिधि रचनाकार- केशवदास, देव,बिहारी, नृपशंभु, भूषण,घनानंद	15

संदर्भ ग्रंथ :-

1. हिंदी साहित्य का इतिहास :आ. शुक्ल : नागरी प्रचारिणी सभा,वाराणसी
2. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ.बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग 1/2): डॉ.विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं.डॉ.नगेंद्र , मयुर पेपर बैक्स, नोएडा
8. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ.माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपुर

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा सेमिनार	**50**	**100**
20	**20**	**10**		

समय **:- 2 घंटे** **कुल अंक :- 50**

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

Core Course - 402 - भारतीय साहित्यशास्त्र

• **उद्देश्य :-** 1. भारतीय साहित्य चिंतन का परिचय 2. समीक्षात्मक दृष्टि का विकास 3. साहित्य सृजन,आस्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास	
• **अध्ययन -अध्यापन पद्धति :-** 1. व्याख्यान 2. दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग 3. गोष्ठी,परिचर्चा एवं स्वाध्याय 4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान	
• **पाठयांश**	**तासिकाएँ**
1. रस सिद्धांत :-रस का स्वरूप, भरत का रस-सूत्र तथा लोल्लट, शंकुक, भट्टनायक और अभिनवगुप्त की रस-सूत्र की व्याख्या	15
2. **अलंकार सिद्धांत :-**अलंकार-चिन्तन की परम्परा, अलंकार: स्वरूप, महत्त्व एवं वर्गीकरण	10
3. रीति सिद्धांत :- रीति से तात्पर्य, वामन के रीति विषयक विचार, रीति के आधारभूत तत्व,रीति-भेद	05
4. ध्वनि सिद्धांत :- ध्वनि से तात्पर्य, ध्वनि-चिंतन की परम्परा और आनंदवर्धन, ध्वनि के प्रमुख भेद, ध्वनि के आधार पर काव्य के भेद	10
5. वक्रोक्ति सिद्धांत :- वक्रोक्ति से तात्पर्य, वक्रोक्ति चिन्तन की परम्परा,कुंतक के वक्रोक्ति-विचार, वक्रोक्ति के प्रमुख भेद	10
6. औचित्य सिद्धांत :- औचित्य से तात्पर्य, औचित्य चिन्तन की परम्परा, आनंदवर्धन के औचित्य विचार, आचार्य क्षेमेंद्र के औचित्य विचार, औचित्य का महत्व तथा औचित्य के अंग	10
ट्यूटोरियल /प्रकल्प/ स्वाध्याय	

संदर्भ :

1. विश्व साहित्यशास्त्र - सं.डॉ.नगेंद्र, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास : सेठ कन्हैयालाल पोद्दार,नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
3. रस सिद्धांत : डॉ.नगेंद्र, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली
4. भारतीय काव्य : डॉ विश्वंभरनाथ उपाध्याय,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भारतीय काव्यशास्त्र : तारकनाथ बाली,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
6. साहित्यशास्त्र : डॉ. संजय नवले, दिव्य डिस्ट्रीब्युटर्स,कानपुर
7. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ.योगेंद्र प्रतापसिंह लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत : डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त ,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे

कुल अंक :- 50

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

Core Course - 403 - आदि तथा मध्यकालीन काव्य

उद्देश्य-

1.आदि तथा मध्यकालीन काव्य का विकासात्मक अध्ययन

2.आदि तथा मध्यकालीन काव्य – आस्वाद और आलोचना क्षमता का विकास

3.आदि तथा मध्यकालीन काव्य और युगबोध की परख

अध्ययन- अध्यापन पद्धति –

1.व्याख्यान

2.दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग

3.गोष्ठी,चर्चा तथा स्वाध्याय

4.अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठ्यांश	तासिकाएं
1	आदि तथा मध्यकालीन काव्य का विकास	10
2	आदि तथा मध्यकालीन काव्य साहित्य का अध्ययन	10
3	निर्धारित पाठ्यक्रम: संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	40
4	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्य पुस्तक :-

आदि तथा मध्यकालीन काव्य- संपादक हिंदी अध्ययन मंडल, डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय , औरंगाबाद

1.दोहाकोश : सं.राहुल सांकृत्यायन,षड्दर्शन खंडन–ब्राह्मण : दोहा1, 2 ,करुणासहित भावना : दोहा–17 ,चित्त : दोहा–24, 25 ,सहज, महासुख : दोहा–42,परमपद : 49 ,देहहीतीर्थ : 96 (कुल08)

2.गोरख बानी :संपादक-पीतांबरदत्त बड़थ्वाल,पद–1 से 10तक

3.पृथ्वीराज रासो :संपादक-माताप्रसादगुप्त,कयमासवध-संपूर्ण

4.विद्यापति की पदावली : सं.रामवृक्ष बेनीपुरी,पद : 1, 2, 5, 10, 18 (कुल 05 पद)

5.कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी,पद संख्या : 35,108, 112, 123, 126 (कुल 05)

साखी संख्या : 103,113, 139 (कुल 03)

6.जायसी–ग्रंथावली : रामचंद्र शुक्ल,नागमती वियोग खंड

7. **अली आदिलशाह 'जगतगुरू'** के नवरस दस गीत

8.सूरदास : भ्रमरगीतसार : रामचंद्र शुक्ल,पद संख्या : 3, 4, 7, 9, 11, 16, 18, 21, 22, 24(कुल 10)

9.तुलसीदास:विनय पत्रिका:सं.वियोगी हरि,पद संख्या:90,101,102,105,111,112,115, 116, 117, 119 (कुल 10)

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1.हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारीप्रसाद द्विवेदी

2.अपभ्रंश साहित्य : हरिवंश कोछड

3.नाथ सम्प्रदाय : हजारीप्रसाद द्विवेदी

4.हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग : नामवर सिंह

5.पृथ्वीराज रासो की भाषा : नामवर सिंह

6.प्राकृत-अपभ्रंश साहित्य और उसका हिंदी पर प्रभाव : राम सिंह तोमर

7.अपभ्रंश भाषा और साहित्य : राजमणि शर्मा

8.विद्यापति : शिवप्रसाद सिंह

9.आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की दिशाएँ : अनिल राय

10.गोरखनाथ और उनका युग : रांगेय राघव

11. गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल

12.तुलसी आधुनिक वातायन से : रमेश कुंतल मेघ

13.लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी

14.तुलसीकाव्य-मीमांसा : उदयभानु सिंह

15.गोसाईं तुलसीदास : विश्वनाथप्रसाद मिश्र

16.सूरदास : रामचंद्र शुक्ल

17.संतों का आन्दोलन मानव मुक्ति का आन्दोलन-प्रो.डॉ.विजयकुमार वैराटे, ईमलीवाला पाठक, जयपुर

18.संत साहित्य : दृष्टि और दर्शन-डॉ. करिश्मा पठाण, ए.आर. पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली-2019

19. संत नामदेव का समाज चिंतन-डॉ.रवींद्रकुमार शिरसाट ,प्रकाशक-श्रीराम प्रकाशन, कानपुर

20. **दक्खिनी साहित्यकार मुल्ला वजही - डॉ. हाशमबेग मिर्झा,विकास प्रकाशन,कानपुर**

22. **नवरस – पाठालोचन और अध्ययन - डॉ. हाशमबेग मिर्झा,विकास प्रकाशन, कानपुर**

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- **2 घंटे** **कुल अंक :- 50**

प्रश्न 1 ला :-	ससंदर्भ व्याख्या कीजिये (किन्हीं दो पर) (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 407 - कथा साहित्य

उद्देश्य-

1.हिंदी कथा साहित्य का विकासात्मक अध्ययन

2.उपन्यास एवं कहानी – आस्वाद और आलोचना क्षमता का विकास

3.हिंदी कथा साहित्य और युग बोध की परख

अध्ययन- अध्यापन पद्धति–

1.व्याख्यान

2.दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग

3.गोष्ठी,चर्चा तथा स्वाध्याय

4.अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठ्यांश	तासिकाएं
1	उपन्यास एवं कहानी साहित्य का विकास	15
2	आंचलिक एवं ग्रामीण साहित्य का अध्ययन	05
3	मैला ऑचल : संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	10
4	फॉस : संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	10
5	पाठ्यक्रम में समाविष्ट कहानियों का संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	20
6	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्यपुस्तकें –

अ.उपन्यास साहित्य :-

1. मैला ऑचल -फणीश्वरनाथ रेणु,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
2. फांस-संजीव ,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली

आ.कहानी साहित्य :-

1. कथाधारा – संपादक हिंदी अध्ययन मंडल, डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय , औरंगाबाद

(कहानी क्रम-1.बैल की बिक्री- सियारामशरण गुप्त 2.राजनीति का बंटवारा–हरिशंकर परसाई 3. पानी और पुल–महीप सिंह 4. फैसला–मैत्रेयी पुष्पा 5. कसाईबाडा –शिवमूर्ति 6. उसे बुद्ध ने काटा –मधु कांकरिया 7. वनकन्या–एलिस एक्का 8 सलाम–ओमप्रकाश वाल्मीकी 9. अर्धांगिनी–शैलेश मटियानी 10. सजा– मन्नू भंडारी 11. रोज–अज्ञेय 12. दोपहर का भोजन–अमरकांत 13. दूसरा ताजमहल–नासिरा शर्मा 14.युद्ध–शानी 15. धुआँ–रमाकांत शर्मा)

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1.प्रेमचंद और उनका युग–रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

2.उपन्यासकार हजारीप्रसाद द्विवेदी– त्रिभुवन सिंह

3.अज्ञेय का कथा साहित्य –ओमप्रभाकर

4.विवेक के रंग–देवीशंकर अवस्थी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

5.हिंदी उपन्यास– शिवनारायण श्रीवास्तव, सरस्वती मंदिर, वाराणसी

6.अधूरे साक्षात्कार–नेमिचन्द्र जैन
7.कहानी नयी कहानी–नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8.कहानी आंदोलन की भूमिका–बलिराज पांडेय, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद
9.आज की हिंदी कहानी–विजय मोहन सिंह, दिल्ली
10 आधुनिक हिंदी उपन्यास : सं. नरेंद्रमोहन
11 क्रांति का विचार और हिंदी उपन्यास : प्रेम सिंह
12.कहानी : नयी कहानी : नामवर सिंह
13.नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी
14.नयी कहानी की भूमिका : कमलेश्वर
15.एक दुनिया समानांतर : राजेंद्र यादव
16. किसान आत्महत्या : यथार्थ और विकल्प (फॉस उपन्यास का संदर्भ)–डॉ.संजय नवले
17. आधुनिक हिंदी साहित्य के विविध परिदृश्य :डॉ.मजीद शेख, अतुल प्रकाशन, 57 पी,कुंजविहार. II यशोदानगर, कानपुर
18. नवम दशक के हिंदी उपन्यासों में व्यक्त स्त्री चरित्र : प्रा.डॉ. सुरेश मुंढे, शैलजा प्रकाशन, कानपुर,प्रथम संस्करण, 2020

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे

कुल अंक :- 50

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुतरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुतरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 408 - कथेतर गद्य साहित्य

उद्देश्य-

1.हिंदी कथेतर गद्य साहित्य का विकासात्मक अध्ययन

2. निबंध,आत्मकथा,जीवनी,संस्मरण,रेखाचित्र ,यात्रा साहित्य,पत्र-साहित्य,डायरी, एवं अन्य विधाएं– आस्वाद और आलोचना क्षमता का विकास

3.हिंदी कथेतर गद्य साहित्य और युग बोध की परख

अध्ययन–अध्यापन पद्धति

1.व्याख्यान

2.दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग

3.गोष्ठी,चर्चा तथा स्वाध्याय

4.अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठ्यांश	तासिकाएं
1	निबंध,आत्मकथा, जीवनी,संस्मरण,रेखाचित्र,यात्रा,साहित्य,पत्र साहित्य,डायरी एवं अन्य विधाओं का विकास	10
2	निबंध,आत्मकथा, जीवनी,संस्मरण,रेखाचित्र,यात्रा,साहित्य,पत्र साहित्य,डायरी एवं अन्य विधाओं का तात्विक विवेचन	10
3	कागजी है पैरहन : संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	10
4	चीन में क्या देखा : संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	10
5	समकालीन गद्य – निबंध,आत्मकथा,जीवनी,संस्मरण,रेखाचित्र ,यात्रा साहित्य,पत्र-साहित्य,डायरी एवं अन्य विधाओं के पाठ्यांश का संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	20
6	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्यपुस्तकें –

1. कागजी है पैरहन -इस्मत चुग़ताई,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. चीन में क्या देखा-राहुल सांकृत्यायन,किताब महल, नई दिल्ली
3. समकालीन गद्य (17 पाठ)– डॉ.शकुन्तला सिंह, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास–डॉ.बच्चन सिंह
2. हिंदी का गद्य साहित्य –रामचन्द्र तिवारी
3. हिंदी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचंद्र शुक्ल

4. हिंदी गद्य मीमांसा–रमाकांत त्रिपाठी
5. साहित्य की गद्य विधाएँ –प्रो. हरिमोहन
6. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास–रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास–डॉ. बच्चनसिंह
8. हिंदी साहित्य का इतिहास–डॉ. नगेन्द्र
9. आधुनिक हिंदी कथा–साहित्य में व्यंग्य –डॉ. वीणा दाढे
10. हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास–रामस्वरूप चतुर्वेदी
11. हिंदी की गद्य विधाएँ –रामचंद्र तिवारी
12. हिंदी आत्मकथाएँ सिद्धांत , स्वरूप एवं–डॉ. विनिता अग्रवाल
13. हिंदी गद्य विधाएं : हरिमोहन
14. हिंदी गद्य साहित्य : रामचंद्र शुक्ल
15. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास–रामस्वरूप चतुर्वेदी
16. पिंजरे की परिधि से बाहर का आत्मकथन (दलित विषय पर)–दत्तात्रय मुरूमकर, साहित्य संस्थान गाजियाबाद, दिल्ली

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा –सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे

कुल अंक :- 50

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 409 - हिंदी काव्य साहित्य

उद्देश्य-

1.हिंदी काव्य साहित्य का विकासात्मक अध्ययन

2.हिंदी काव्य – आस्वाद और आलोचना क्षमता का विकास

3.हिंदी काव्य और युगबोध की परख

अध्ययन–अध्यापन पद्धति–

1.व्याख्यान

2.दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग

3.गोष्ठी,चर्चा तथा स्वाध्याय

4.अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठ्यांश	तासिकाएं
1	हिंदी काव्य का विकास	15
2	हिंदी काव्य साहित्य का अध्ययन	05
3	गेपा गौतम:संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	10
4	शबरी–श्रीनरेश मेहता : संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	10
5	पद्य तरंग–संपादक–पूर्णिमा आर. : संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	20
6	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्यपुस्तकें –

1. गोपा गौतम–जगदीश गुप्त,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. शबरी–श्रीनरेश मेहता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. पद्य तरंग (18 कवि की 18 कविताएँ)-संपादक–पूर्णिमा आर. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1) जयशंकर प्रसाद-नंददुलारे वाजपेयी, भारती भंडार, इलाहाबाद

2) कामायनी- एक पुनर्विचार-मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली

3) निराला की साहित्य साधना (तीन भाग) -रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

4) सुमित्रानंदन पंत : डॉ0 नगेन्द्र

5) छायावाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

6) महादेवी वर्मा : जगदीश गुप्त, नई दिल्ली, 1994

7) छायावाद की प्रासंगिकता : रमेशचन्द्र शाह, नई दिल्ली, 1973

8) छायावाद और नवजागरण : महेन्द्रनाथ राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

9) मुक्तिबोधः ज्ञान और संवेदना-नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

10) नयी कविता और अस्तित्ववाद-रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

11) अज्ञेय और आधुनिकरचना की समस्या-रामस्वरूप चतुर्वेदी, नई दिल्ली

12) समकालीन हिंदी कविता-विश्वनाथप्रसाद तिवारी, नई दिल्ली

13) समकालीन कविता का यथार्थ-परमांनद श्रीवास्तव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी

14) समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ -रामकली सराफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

15) अज्ञेय और नई कविता-चंद्रकला त्रिपाठी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी

16) साहित्य और समय -अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद

17) अज्ञेय के काव्य में प्रकृति चित्रण-डॉ.रवींद्रकुमार शिरसाट,प्रकाशक, अण्णपूर्णा प्रकाशन,कानपुर

18) बौंवे दशक की कविता में पर्यावरण संचेतना-डॉ.मनोहर जमदाडे, अंतराष्ट्रीय विज्ञान एवं तंत्रज्ञानसंस्था, मुंबई,

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे

कुल अंक :- 50

प्रश्न 1 ला :-	ससंदर्भ व्याख्या कीजिये (किन्हीं दो पर) (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 410 - एकांकी तथा नाटक साहित्य

उद्देश्य-

1.एकांकी तथा नाटक साहित्य का विकासात्मक अध्ययन

2.एकांकी तथा नाटक साहित्य – आस्वाद और आलोचना क्षमता का विकास

3.एकांकी तथा नाटक साहित्य और युगबोध की परख

अध्ययन–अध्यापन पद्धति–

1.व्याख्यान

2.दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग

3.गोष्ठी,चर्चा तथा स्वाध्याय

4.अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठ्यांश	तासिकाएं
1	एकांकी तथा नाटक साहित्य का विकास	10
2	एकांकी तथा नाटक का तात्विक विवेचन	10
3	कहे कबीर सुनो भाई साधो : संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	10
4	बकरी: संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	10
5	दस तस्वीरे में संकलित एकांकियों का संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	20
6	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्यपुस्तकें –

1. कहे कबीर सुनो भाई साधो–नरेंद्र मोहन, अमन प्रकाशन, कानपुर
2. बकरी–सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, वाणी प्रकाशन, नई ,दिल्ली
3. दस तस्वीरे–डॉ.दिनेश प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास : दशरथ ओझा
2. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच : नेमिचंद्र जैन
3. हिंदी नाटक : समाजशास्त्रीय अध्ययन : सीताराम झा 'श्याम'
4. भारतेंदु हरिश्चंद्र : रामविलास शर्मा
5. नाटककार भारतेंदु की रंगपरिकल्पना : सत्येंद्र तनेजा
6. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता : प्रभाकर श्रोत्रिय

7. प्रसाद के नाटक : देश और काल की बहुआयामिता : रमेश गौतम
8. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी
9. मोहन राकेश : साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि : मोहन राकेश
10. आज का हिंदी नाटक : प्रगति और प्रभाव : दशरथ ओझा
11. मोहन राकेश के सम्पूर्ण नाटक : नेमिचंद्र जैन
12. हिंदी नाटक : मिथक और यथार्थ : रमेश गौतम
13. हिंदी नाटक : आजकल : जयदेव तनेजा
14. भारतीय नाट्य साहित्य : नगेंद्र
15.शंकर शेष और रत्नाकर मतकरी के नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन–डॉ. रवींद्रकुमार शिरसाट, अन्नापूर्णा प्रकाशन, कानपुर
16 .हिंदी के प्रतिनिधि नाटकों मे समकालीन संवदेनाएँ–डॉ.ईश्वर पवार, ज्ञानप्रकाश प्रकाशन आवास विकास, हंसपुरम,नौबस्ता कानपुर 208021
17. हिंदी मराठी का अनुदित साहित्य–डॉ.सुधाकर शेंडगे, विकास प्रकाशन,कानपुर

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे

कुल अंक :- 50

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 411- प्रवासी हिंदी साहित्य

उद्देश्य-

1. विद्यार्थियों को भारत के बाहर लिखे जा रहे हिंदी साहित्य और उसकी सरंचना से रु-ब-रु कराना
2. विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के वैश्विक परिदृश्य को समझने की दृष्टि प्रदान करना
3. हिंदी भाषा के महाशक्ति के रूप में बढ़ते कदम से परिचय कराना
4. प्रवासी साहित्य की विविध साहित्यिक अभिव्यक्तियों की विद्यार्थियों में समझ विकसित करना

अध्ययन–अध्यापन पद्धति–

1. व्याख्यान
2. दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग
3. गोष्ठी,चर्चा तथा स्वाध्याय
4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठ्यांश	तासिकाएं
1	प्रवासी साहित्य की अवधारणा	10
2	प्रवासी हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास	10
3	ढलते सूरज की रोशनी : संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	15
4	देशांतर (प्रवासी भारतीयों की कहानियाँ): संवेदना और शिल्प	15
5	नया बसेरा : संवेदना और शिल्प	10
6	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्यपुस्तकें –

1. ढलते सूरज की रोशनी–रामदेव धुरंधर, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
2. देशांतर (प्रवासी भारतीयों की कहानियाँ):–संपादक तेजेंद्र शर्मा, दिल्ली अकादमी, नई दिल्ली
3. नया बसेरा–संपादक–डॉ.पांडेय / रामकुमार,आर.के.पब्लिकेशन, मुंबई

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. विश्व हिंदी रचना–कमल किशोर गोयनका, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद,नई दिल्ली–2003
2. प्रवासी साहित्यः जोहान्सबर्ग से आगे, प्रधान संपादक, डॉ.कमल किशोर गोयनका,प्रकाशक–विदेश मंत्रालय,भारत सरकार, साउथ ब्लॉक,नई दिल्ली
3. हिंदी का प्रवासी साहित्य–डॉ.कमल किशोर गोयनका, प्रथम संस्करण,2011 ,अमित
4. 10 वाँ विश्व हिंदी सम्मेलन (स्मारिका)
5. अप्रवासी,मंजु कपूर,रैण्डम हाउस इंडिया, नोएडा,2009

6. उडने से पेशतर -महेन्द्र भल्ला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,2010

7. गाथा अमर बेल की–सुषम बेदी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली,2015

8. दिशाएँ बदल गई- नरेश भारतीय,राजपाल एंड संस,दिल्ली,2014

9. पथरीला सोना- रामदेव धुरंधर, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली,2012

10. पूछो इस माटी से -रामदेव धुरन्धर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली,2012

11. लौटना-सुषम बेदी, पराग प्रकाशन, दिल्ली,2011

12. हवन -सुषम बेदी, पराग प्रकाशन, दिल्ली,2010

13.प्रवासी साहित्य का सांस्कृतिक रेखांकन- डॉ. इंदू के. वी

14.प्रवासी साहित्य एवं हिन्दी भाषा का बदलता स्वरूप- सं. डॉ. कोयल विश्वास

15.वैश्विक संवेदन संसार और प्रवासी महिला कहानीकार-डॉ. मधु संधु

16.प्रवासी साहित्य और हिन्दी भाषा का महत्व सं. डॉ. मधु, डॉ. कमल

17.प्रवासी हिन्दी साहित्य संवेदना के विविध संदर्भ - सं. प्रतिभा मुदलियार,अमन प्रकाशन कानपुर

18.प्रवासी साहित्य का सांस्कृतिक रेखांकन - डॉ. इंद्र के.वी

19.प्रवासी लेखन : नयी जमीन : नया आसमान- अनिल जोशी

20.वेस्टइंडीज का साहित्य-सुभाषकुमार

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे

कुल अंक :- 50

प्रश्न 1 ला :-	ससंदर्भ व्याख्या कीजिये (किन्हीं दो पर) (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुतरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुतरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 412 – अनूदित समकालीन मराठी कविता

उद्देश्य-

1. समकालीन मराठी कविता से छात्रों को परिचित कराना।
2. प्रमुख समकालीन मराठी कवियों-कविताओं की कथ्यगत विशेषताएँ उजागर करना।
3. समकालीन मराठी कविता के माध्यम से चित्रित विविध समस्याओं पर प्रकाश डालना।
4. समकालीन मराठी कविता के माध्यम से स्थानिय भाषा,साहित्य संस्कृति और परंपराओं के संदर्भ में छात्रों को अवगत कराना।

अध्ययन- अध्यापन पद्धति –

1.व्याख्यान
2.दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग
3.गोष्ठी,चर्चा तथा स्वाध्याय
4.अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	**मराठी अनूदित साहित्य का सामान्य परिचय**	**10**
2	मराठी अनूदित कविताः संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	**50**
3	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्यपुस्तक –

अनूदित समकालीन मराठी कविता -संपादक ,हिंदी अध्ययन मंडल, डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय , औरंगाबाद

1 . इंद्रजीत भालेराव-तथास्तु, बेटा-बाप
2. ऋषिकेश कांबळे- **चिरंतन दुःख का सनातन रिश्ता , महामानव**
3. दासु वैद्य–राजघाट, सुनता रहता हूँ
4. केशव देशमुख–ढाल, मीट्टी का गाना
5. प्रिया धारूरकर–बिना नमक,जादुगर
6. पी.विठ्ठल–मिट्टी की तरह पवित्र होना,पटकथा
7. वी.रा.राठोड–मैं रोटी तलाशता हूँ तुम गीत गुनगुनाती रहना,लहू रिसते सलीब की टीस
8. संजीवनी तडेगावकर–सहज मातृत्व,कालवड,(कवारी)

9. विश्वाधार देशमुख–कविता पिता की– 1. जिसकी कोख से जन्म होता **2** माँ होती है झूले का बलकृ
10. विनायक पवार–बेटी, पग चिहन
11.प्रभाकर शेळके–इस मानवता के द्वीप पर,देह हृदय का मंदिर सॉस उसमें परमेश्वर
12. संध्या रंगारी –नौ महिने के लिए, बचपन से ही ऑचल में छिपाया
13.श्रीधर नांदेडकर–भूमिका, व्हायलिन
14.श्रीकांत देशमुख–गॉव गॉव का आसमान,वे नहीं करते हैं बात
15. उर्मिला चाकूरकर–पत्थर का भगवान होते समय,पांडुरंग प्रसन्न होता है
16. पृथ्वीराज तौर- सीता,बादलों जैसे शब्दों के अर्थ
17. रेणु पाचपोर- नदी,बस कुछ कहना हुआ
18. हबीब भंडारे - सकीना बेगम और जवानी से भरी रात, गरीबी से ग्रस्त कर्म का भाष्य
19. श्रीकांत उमरीकर- दरवाजा तो खोला जरा, व्दीपों का मंदिर
20. भगवान धांडे- घर , अन्नदाता किसान मेरा

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी मराठी का श्रृंगारकाल–डॉ. इंद्र पवार
2. हिन्दी और मराठी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन–डॉ.मिर्जा असदबेग रूस्तुम बेग
3. प्रादेशिक भाषा और साहित्य इतिहास– डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे
4. हिन्दी तथा मराठी उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन–शांतिस्वरूप गुप्त
5. आधुनिक मराठी साहित्य का प्रवृत्तिमूलक इतिहास–डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे
6. अनुवाद समस्याएँ और संदर्भ – बलवंत जेऊरकर
7. प्रादेशिक भाषा साहित्य : मराठी पहचान ओर परख–गुलाबराव हाडे
8. हिन्दी साहित्य में दलित अस्मिता :स्नेही कालीचरण
9. तुलनात्मक साहित्य भारतीय परिप्रेक्ष्य–इन्द्रनाथ चौधुरी
10. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत एवं प्रविधि–भोलानाथ तिवारी
11. दलित पैंथर -डॉ. शरणकुमार लिंबाळे- हिंदी अनुवाद- डॉ. संजय नवले/डॉ.विनोदकुमार वायचल,वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय **:- 2 घंटे** **कुल अंक :- 50**

प्रश्न 1 ला :-	ससंदर्भ व्याख्या कीजिये (किन्ही दो पर) (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

MA I - Hindi Semester –II

Core Course - 404 - आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

उद्देश्य :-

1. हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना|
2. आधुनिक इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथों का अध्ययन करना
3. इतिहास लेखन और साहित्यिक इतिहास की समझ विकसित करना|
4. आधुनिक युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना|
5. हिंदी साहित्य के आधुनिक युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना|

अध्ययन-अध्यापन पद्धति :-

1. व्याख्यान एवं विश्लेषण
2. संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा और व्यक्तिगत स्वाध्याय
3. दृक-श्राव्य साधनों और माध्यमों का प्रयोग
4. अध्ययन यात्रा
5. विशेषज्ञ अतिथियों के आभासी व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	आधुनिक काल की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनैतिक और साहित्यिक परिस्थितियाँ, सन 1857 से लेकर 1947 तक के स्वाधीनता के प्रयासों का समग्र अध्ययन, सामाजिक सुधारों का समग्र अध्ययन, स्वाधीनोत्तर आर्थिक सुधारों का अध्ययन, वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य का विस्तार आदि|	10
2	हिंदी कविताओं कें आरंभिक पड़ाव : अ) पुनर्जागरण काल / भारतेंदु युग - साहित्यिक प्रवृतियाँ, प्रमुख रचनाएँ और रचनाकार आ) जागरण सुधार काल / द्विवेदी युग - साहित्यिक प्रवृतियाँ, प्रमुख रचनाएँ और रचनाकार इ) छायावादी काल / प्रसाद युग - साहित्यिक प्रवृतियाँ, प्रमुख रचनाएँ और रचनाकार	10
3	प्रगतिवादी कविता - साहित्यिक प्रवृतियाँ, प्रमुख रचनाएँ और रचनाकार उ) प्रयोगवादी कविता - साहित्यिक प्रवृतियाँ, प्रमुख रचनाएँ और रचनाकार ऊ) नवलेखन नई कविता - साहित्यिक प्रवृतियाँ, प्रमुख रचनाएँ और रचनाकार ए) समकालीन कविता - साहित्यिक प्रवृतियाँ, प्रमुख रचनाएँ और रचनाकार ऐ) आपात्कालोत्तर युग - साहित्यिक प्रवृतियाँ, प्रमुख रचनाएँ और रचनाकार ओ) इक्कीसवीं सदी की कविता - साहित्यिक प्रवृतियाँ, प्रमुख रचनाएँ और रचनाकार	10
4	गद्य विधाएँ :- अ) लघुकथा-कहानी-उपन्यास : उद्भव और विकास आ) नाटक-एकांकी-रेडिओ एकांकी : उद्भव और विकास इ) निबंध-व्यंग्य : उद्भव और विकास ई) रेखाचित्र-संस्मरण : उद्भव और विकास	10

	उ) आत्मकथा-जीवनी : उद्भव और विकास ऊ) रिपोर्ताज : उद्भव और विकास ए) साक्षात्कार: उद्भव और विकास ऐ) पत्रकारिता : उद्भव और विकास ओ) डायरी : उद्भव और विकास औ) पत्र : उद्भव और विकास अं) यात्रावृत्त : उद्भव और विकास औ) आलोचना-शोध : उद्भव और विकास	
5	**प्रमुख रचनाकार :-** 1) भारतेंदु हरिश्चंद्र २)प्रेमचंद ३) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' 4) हरिवंशराय बच्चन 5) गजानन माधव 'मुक्तिबोध' 6) मोहन राकेश 7) हरिशंकर परसाई 8) कुँवर नारायण 9) दुष्यंतकुमार त्यागी 10) जयप्रकाश कर्दम	20
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

सन्दर्भ ग्रंथ :-

1. हिंदी साहित्य का इतिहास -रामचंद्र शुक्ल
2. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह
3. हिंदी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेन्द्र
4. आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ - डॉ. नामवर सिंह
5. हिंदी का गद्य साहित्य -रामचंद्र तिवारी
6. हिंदी साहित्य का सही इतिहास -डॉ. चंद्रभानु सोनवणे
7. हिंदी साहित्य का इतिहास -डॉ. माधव सोनटक्के
8. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास - डॉ. सुमन राजे
9. हिंदी साहित्य : युग एवं प्रवृतियाँ - डॉ. शिवकुमार शर्मा
10. साहित्य और इतिहास दृष्टी - डॉ. मैनेजर पाण्डेय
11. 21 वी शताब्दी के चर्चित उपन्यास : एक दृष्टिक्षेप , ज्ञान प्रकाशन,कानपुर
12 . हिंदी साहित्य वाद,प्रवृतियां एवं विमर्श - दत्तात्रय मुरुमकर , साहित्य संस्थान, गाजियाबाद ,दिल्ली

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे **कुल अंक :- 50**

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	-15 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

Core Course - 405 - पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

उद्देश्य :-

1. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र की अवधारणाओं को समझना|
2. भारतीय और पाश्चात्य साहित्य परम्परा को समझना|
3. तुलनात्मक आलोचना को समझना|
4. आधुनिक दार्शनिक अवधारणाओं को समझना|

अध्ययन-अध्यापन पद्धति :-

1. व्याख्यान एवं विश्लेषण
2. संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा और व्यक्तिगत स्वाध्याय
3. दृक-श्राव्य साधनों और माध्यमों का प्रयोग
4. अध्ययन यात्रा
5. विशेषज्ञ अतिथियों के आभासी व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र - साहित्य परिभाषाएँ, , साहित्य के तत्व, साहित्य के भेदक लक्षण, साहित्य हेतु, साहित्य प्रयोजन पाश्चात्य साहित्यशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास प्राचीन दार्शनिकों के साहित्य सिद्धांत - प्लेटो, एरिस्टोटल,होरेस, लोंगुनुस, दांते नवशास्त्रवादी आलोचकों के साहित्य सिद्धांत - फिलिप सिडनी, बेन जॉनसन, जॉन ड्रायडन, जोसेफ एडिसन, अलेक्झांडर पोप, सैम्युएल जॉनसन	20
2	स्वच्छंदतावाद - विलियम वर्डस्वर्थ, एस. टी. कोलरिज, पी. बी. शेली विक्टोरियन आलोचक -मैथ्यू अर्नाल्ड, बेनादेतो क्रोचे मार्क्सवाद- कार्ल मार्क्स, फ्रेडरिक एंगल्स, जॉर्ज लुचाक मनोविश्लेषणवाद- फ्राइड,एडलर, जुंग, स्त्रीवाद- नाओमी उल्फ़ , वर्जीनिया वूल्फ, सिमोन द बुवा	20
3	नई समीक्षा - आय. ए. रिचर्ड्स, टी. एस. इलियट, जे. ई. स्पिनगार्न संरचनावाद और विखंडनवाद -सस्युर, चोमस्की, देरिदा ऐतिहासिक आलोचना - तेन उत्तर-उपनिवेशवादी आलोचक - स्पिवाक,गायत्री , होमी- भाभा पाश्चात्य साहित्यशास्त्र की कतिपय अवधारणाएँ - आदर्शवाद, यथार्थवाद, कलावाद, जीवनवाद	20
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

सन्दर्भ ग्रंथ :-

1. साहित्यशास्त्र - डॉ. चंद्रभानु सोनवाणे, आलोक प्रकाशन, औरंगाबाद १९९२
2. साहित्यशास्त्र तथा आलोचना - डॉ. माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपुर २०१५

3. साहित्यशास्त्र - डॉ. भरत सगरे, लोकव्रत प्रकाशन, सातारा
4. पाश्चात्य काव्य शास्त्र : अधुनातन सन्दर्भ - डॉ. सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - डॉ. अलका द्विवेदी, साहित्य रत्नालय, कानपुर
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत - डॉ. मधु वासवा तथा डॉ. अशोक शाह, अमर प्रकाशन, मथुरा
7. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र - मूलजीभाई पटेल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली,
8. काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन -डॉ.अजय प्रकाश, डॉ.प्रतीक मिश्र,डॉ.योगेन्द्रप्रताप सिंह,समवेत प्रकाशन,कानपूर,
9. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के मानदंड - डॉ. भाऊसाहेब परदेशी, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा - डॉ. पंडित बन्ने, निशा पब्लिकेशन, कानपुर
11. पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
12. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र : सिद्धांत और संप्रदाय - डॉ. कृष्ण वल्लभ जोशी, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद
13. पाश्चात्य समीक्षा की रूपरेखा - डॉ. प्रताप नारायण टंडन, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
14. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा - सं. डॉ. सावित्री सिन्हा, दिल्ली विश्वविद्यालय
15. पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत और वाद - सं. राजकुमार कोहली दिल्ली विश्वविद्यालय
16. पाश्चात्य काव्यशास्त्र मार्क्सवादी परंपरा - सं. डॉ. मक्खनलाल शर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय
17. सौंदर्यशास्त्र की पाश्चात्य परंपरा - राजेंद्र प्रताप सिंह, नया साहित्य प्रकाशन इलाहाबाद
18. साहित्य का मनोवैज्ञानिक अध्ययन - डॉ. देवराज उपाध्याय, एस. चांद एण्ड कंपनी, दिल्ली
19. पाश्चात्य समीक्षा दर्शन - डॉ. जगदीश चंद्र जैन, हिंदी प्रचारक संस्थान,'वाराणसी
20. पाश्चात्य साहित्य शास्त्र की भूमिका - डॉ. मदन केवलिया,ज़अनुपम प्रकाशन, जयपुर
21. समीक्षालोक - प्रो. भगीरथ दीक्षित, समुदाय प्रकाशन, मुंबई
22. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत - डॉ. शांति स्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन दिल्ली
२३.साहित्यशास्त्र -डॉ. नारायण शर्मा छाया पब्लिकेशन, औरंगाबाद

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे

कुल अंक :- 50

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

Core Course - 406 - आधुनिक हिंदी कविता

उद्देश्य :-

1. आधुनिक हिंदी कविता का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना|
2. छायावादी कविता का अध्ययन करना|
3. प्रगतिवादी कविता का अध्ययन करना|
4. प्रयोगवादी कविता का अध्ययन करना|
5. समकालीन कविता का अध्ययन करना|

अध्ययन-अध्यापन पद्धति :-

1. व्याख्यान एवं विश्लेषण
2. संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा और व्यक्तिगत स्वाध्याय
3. दृक-श्राव्य साधनों और माध्यमों का प्रयोग
4. अध्ययन यात्रा
5. विशेषज्ञ अतिथियों के आभासी व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठ्यांश	तासिकाएं
1	जयशंकर प्रसाद रचित 'कामायनी' का **'श्रद्धा'सर्ग**	10
2	अज्ञेय रचित **नदी के द्वीप , आज थका है हारिल मेरा , 'असाध्यवीणा'**	10
3	गजानन माधव मुक्तिबोध रचित लम्बी कविता **'ब्रह्मराक्षस'**	10
4	सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' रचित लम्बी कविता **'मोचीराम ' , ' रोटी और संसद**	10
5	डॉ बलभीमराज गोरे रचित **मेरा गाँव, मेरी कविता, मास्टर प्लान में**	10
6	डॉ जर्रा काज़ी रचित - 3 कविताएँ 1) **नानी माँ** (जूतों का हार) 2) **खोज** (बे-दुम का बन्दर) 3) **नारी का सम्मान करो** (कलम का बलम)	10
	टिटोरियल्स / प्रकल्प / स्वाध्याय	

सन्दर्भ ग्रंथ :-

1. कामायनी - जयशंकर प्रसाद
2. आँगन के पार द्वार - सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
3. चाँद का मुँह टेढ़ा है - गजानन माधव मुक्तिबोध
4. कामायनी : एक पुनर्विचार - गजानन माधव मुक्तिबोध
5. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ -डॉ. नगेन्द्र
6. अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन - केदार शर्मा
7. अज्ञेय की काव्यतितीर्षा - नंदकिशोर आचार्य

8. मुक्तिबोध - नंदकिशोर नवल
9. मुक्तिबोध : कविता और जीवन विवेक- चंद्रकांत देवताले
10. कटघरे का कवि धूमिल- डॉ. गणेश अष्टेकर
11. समकालीन बोध और धूमिल का काव्य - डॉ. हुकुमचंद राजपाल
12. धूमिल की काव्य कला -डॉ सुधाकर शेंडगे
13. जूतों का हार...(हास्य-व्यंग्य) डॉ. ज़र्रा, समता प्रकाशन 6, शास्त्रीनगर,रूरा कानपुर209303
14. बे-दुम का बन्दर...(हास्य-व्यंग्य) - डॉ. ज़र्रा, महाराष्ट्र पब्लिकेशन, उस्मानाबद
15. कलम का बलम ...(हास्य-व्यंग्य) - डॉ. ज़र्रा,यशराज प्रकाशन, वैराग रोड उस्मानाबाद
16. मेरी चुनिंदा कविताएं - बलभीमराज गोरे, वान्या प्रकाशन, कानपुर
17. हिंदी साहित्य तथा भाषा को महाराष्ट्र की देन- डॉ रणजीत जाधव, विकास प्रकाशन , कानपुर
18. डॉ बलभीमराज गोरे के काव्य में राजनीतिक चेतना (क़रीब क़रीब सच के विशेष संदर्भ में)- बी. के. पाथरीकर समता प्रकाशन, कानपुर

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे कुल अंक :- 50

प्रश्न 1 ला :- ससंदर्भ व्याख्या कीजिये (किन्हीं दो पर) (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 2 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 3 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 4 था :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 5 वाँ :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत) - 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 414 - विशेष रचनाकार 'कबीर'

उद्देश्य :-

1. हिंदी साहित्य के भक्तिकालीन भक्तिपरक तथा सामाजिक काव्य का अध्ययन
2. हिंदी साहित्य के भक्तिकाल के प्रमुख कवि कबीर विशेष अध्ययन
3. कबीर की काव्यगत शक्ति और सीमाओं का परिचय
4. कबीर के काव्य की प्रासंगिकता का अध्ययन
5. **अध्ययन-अध्यापन पद्धति :-**

1. व्याख्यान एवं विश्लेषण
2. संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा और व्यक्तिगत स्वाध्याय
3. दृक-श्राव्य साधनों और माध्यमों का प्रयोग
4. अध्ययन यात्रा
5. विशेषज्ञ अतिथियों के आभासी व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	निर्गुण मत और कबीर,भक्ति आन्दोलन और कबीर,संत कबीर का विस्तृत जीवन परिचय ,संत काव्य परंपरा और कबीर,कबीर का दर्शन,कबीर के राम,कबीर की सामाजिक विचारधारा,कबीर की धार्मिक विचारधारा,कबीर का साहित्य,कबीर काव्य की प्रासंगिकता,कबीर का विद्रोह,कबीर की दार्शनिकता- ब्रह्म, जीव, माया, जगत्, मोक्ष,कबीर की भक्ति भावना का स्वरूप,कबीर का रहस्यवाद,कबीर की भाषा,कबीर की उलटबासियाँ और प्रतीक पद्धति,कबीर के बीजक में समाविष्ट प्रमुख काव्यरूप (साखी, सबद, रमैनी आदि)	30
2	**कबीर ग्रंथावली** - डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी पाठ्यक्रम में समाविष्ट दोहे : 1, 11, 12, 18, 19, 22, 31, 35, 39, 41, 42, 45, 52, 53, 54, 55, 63, 67, 130, 134, 153, 156, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 168, 175, 176, 177, 179, 186, 187, 191, 196, 199, 200, 202, 204, 220, 224, 234, 237, 241, 253	30
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्य पुस्तक

1. **कबीर ग्रंथावली** - डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी , राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

सन्दर्भ ग्रंथ :-

२. कबीर : संपा.विजयेंद्र स्नातक, साहित्य अकादमी, दिल्ली

३. कबीर साहित्य की परंपरा : आ.परशुराम चतुर्वेदी, राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली

4. कबीर की विचारधारा : डॉ.गोविंद त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर

5. कबीर साधना और साहित्य : डॉ.प्रतापसिंह चौहान, ग्रंथम, कानपुर

6. कबीर का रहस्यवाद : डॉ.रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद

7. कबीर एक अनुशीलन : डॉ.रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद

8. कबीर चिंतन : डॉ.ब्रजभूषण शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

9. कबीर के आलोचक : डॉ.धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे **कुल अंक :- 50**

प्रश्न 1 ला :-	ससंदर्भ व्याख्या कीजिये (किन्हीं दो पर) (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 415 - विशेष रचनाकार 'सूरदास'

- **उद्देश्य :-**
  1. भक्तिकालीन परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में सूरदास के व्यक्तित्व तथा कृतित्व से परिचित कराते हुए हिंदी साहित्य में उनके योगदान को जानकारी देना|
  2. सूरदास की भक्ति पद्धति को स्पष्ट कराना|
  3. सूरदास की काव्य-कला से परिचित कराना|
  4. सूरदास के काव्य के सामाजिक पक्ष से अवगत कराना|

- **अध्ययन-अध्यापन पद्धति :-**
  1. व्याख्यान एवं विश्लेषण
  2. संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा और व्यक्तिगत स्वाध्याय
  3. दृक-श्राव्य साधनों और माध्यमों का प्रयोग
  4. अध्ययन यात्रा
  5. विशेषज्ञ अतिथियों के आभासी व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	सूरदास की भक्ति का दार्शनिक आधार,सूरदास का जीवन एवं कार्य,कृष्णकाव्य की परम्परा के प्रणेता सूरदास,सूरदास की रचना : भ्रमरगीत,भ्रमरगीतसार में सूर की मौलिक उद्भावनाएँ,भ्रमरगीत : वियोग श्रृंगार,भ्रमरगीत की बिंब योजना,भ्रमरगीत में प्रकृति वर्णन,सूरदास के काव्य में सामाजिक पक्ष,सूरदास की काव्य कला,सूरदास के काव्य में अलंकार योजना,सूरदास की भाषा,सूरदास की भक्ति भावना,सूरदास की वात्सल्य भक्ति,सूरदास : भ्रमरगीत सार	40
2	सूरदास -संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल पाठ्यक्रम में समाविष्ट पद - 1, 5, 6, 7, 8, 12, 13, 15, 16, 18, 20, 24, 25, 31, 34, 39, 40, 42, 44, 45, 48, 57, 64, 75, 86, 89, 93, 94, 101, 102, 105, 107, 108, 111, 122, 134, 135, 136, 138, 154	20
3	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्य पुस्तक

सूरदास - संपादक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल प्रकाशक : श्री.गोपालदास पोरवाल, साहित्य सेवा सदन, वाराणसी

सन्दर्भ ग्रंथ :-

1. सूरदास और उनका साहित्य - डॉ.मुंशीराम शर्मा
2. भारतीय साधना और सूरसाहित्य - डॉ. हरवंशलाल शर्मा
3. सूरकी काव्यकला - मनमोहन गौतम
4. सूरसाहित्य - डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. सूरकी भाषा - डॉ.प्रेमनारायण टंडन
6. कृष्णकाव्य और सूर - सांस्कृतिक संदर्भ - डॉ. प्रेमशंकर
7. सूरदास - आ.रामचंद्र शुक्ल
8. सूरदास : एक पुनरावलोकन - डॉ.ओमप्रकाश शर्मा
9. महाकवि सूरदास - आ.नंददुलाले वाजपेयी
10. भ्रमरगीत का काव्य सौंदर्य - डॉ.सत्येंद्र पारिख
11. भ्रमरगीत:एक अन्वेषण - डॉ.सत्येंद्र
12. सूर की गोपिका: एक मनोवैज्ञानिक अध्ययन: डॉ.प्रभारानी भाटिया
13. सूरदास - डॉ.ब्रजेश्वर वर्मा

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे   कुल अंक :- 50

प्रश्न 1 ला :- ससंदर्भ व्याख्या कीजिये (किन्हीं दो पर) (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 2 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 3 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 4 था :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 5 वाँ :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत) - 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 416 विशेष रचनाकार 'मीराबाई '

- **उद्देश्य :-**
  1. मध्ययुगीन परिस्थितियों का परिचय करवाना।
  2. भक्तिकालीन साहित्य में मीराबाई के योगदान को स्पष्ट करना।
  3. महिला लेखन के दृष्टि से मीराबाई के साहित्य को परिचित कराना।
  4. मीराबाई के साहित्य के संवेदनात्मक पक्षों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।
  5. मीराबाई के साहित्य के शिल्प पक्ष का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।
- **अध्ययन-अध्यापन पद्धति**
  1. व्याख्यान एवं विश्लेषण
  2. संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा और व्यक्तिगत स्वाध्याय
  3. दृक-श्राव्य साधनों और माध्यमों का प्रयोग
  4. अध्ययन यात्रा
  5. विशेषज्ञ अतिथियों के आभासी व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
	मीराबाई का- जीवन परिचय तथा तत्कालिन परिस्थितियाँ- मीराबाई का जन्म मीराबाई का कृष्णप्रेम मीराबाई का विवाह मीराबाई का परिवार त्याग तत्कालिक परिस्थियाँ – राजनीतिक, सामाजिक, साहित्यिक परिस्थितियाँ	**10**
	मीराबाई के साहित्य की शिल्पगत विशेषताएँ- मीराबाई के वर्ण्य विषय मीराबाई के साहित्य में रस मीराबाई के साहित्य की भाषा मीराबाई के साहित्य की शैली मीराबाई के साहित्य में छंदविचार मीराबाई के साहित्य में अलंकार	**10**
	मीराबाई के काव्य का भाव-पक्ष गत विशेषताएँ- विनय तथा प्रार्थना सम्बन्धी पद कृष्ण के सौंदर्य वर्णन सम्बन्धी पद प्रेम संबंधी पद जीवन संबंधी पद	**10**

	रहस्य वादी भावना के पद मीराबाई की भक्तिभावना मीराबाई की सगुण भक्ति मीराबाई की कृष्ण भक्ति मीराबाई के काव्य में नाम महिमा	
	मीराबाई की संपूर्ण पदावली- **पाठ्यक्रम में समाविष्ट पद** - पद क्र. - **1,18,21,23,32,38,41,45,65,72,73,74,75,77,78,79,80,94,102,104,107,109,111,113,** **115,116,118,134,135,136,137,138,142,196,200,201,202,203,204,205,207,210,211,** **212,218,219,236,240,237,264,269,270,271**	**30**
2	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्य पुस्तक-

मीराबाई की संपूर्ण पदावली - संपा.डॉ. रामकिशोर शर्मा, डॉ.सुजीतकुमार शर्मा-, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली

- **संदर्भ ग्रंथ**

1. मीराबाई का काव्य – श्री. मुरलीधर श्रीवास्तव, साहित्य भवन लिमिटेड, प्रयाग
2. मीरा और मीरा, महादेवी वर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. मीरा का काव्य – डॉ.विश्वनाथ त्रिपाठी राजकमल, प्रकाशन, दिल्ली
4. मीरा: एक पुनर्मूल्यांकन (सं.) पल्लव, आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाणा
5. मीरा जीवन और परिचय सुदर्शन भाटिया, बालाजी पब्लिकशेन, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
6. नारी चेतना की प्रतीक मीराबाई- एस.एस.गौतम, सिद्धार्थ बुक्स, नयी दिल्ली
7. कृष्ण उपासिका मीरा- डॉ. चन्द्रिका प्रसाद शर्मा, परमेश्वर प्रकाशन, नयी दिल्ली
8. मीरा मुक्तावली – सं.नरोत्तमदास स्वामी, राजस्थानी ग्रंथाधर, जोधपूर
9. संत मीराबाई और उनकी पदावली – सं.बलदेव वंशी, परमेश्वरी प्रकाशन, नयी दिल्ली
10. मीराबाई का काव्य – श्री.मुरलीधर श्रीवास्तव, साहित्य-भवन लिमिटेड, प्रयाग
11. संत जनाबाई और संत मीराबाई के काव्य में अभिव्यक्त भक्तिभावना-डॉ.जयश्री किनारीवाल,संकल्प प्रकाशन,कानपुर

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे **कुल अंक :- 50**

प्रश्न 1 ला :-	ससंदर्भ व्याख्या कीजिये (किन्हीं दो पर) (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 417 - विशेष रचनाकार 'तुलसीदास'

उद्देश्य :-

1. भक्तिकालीन परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में गोस्वामी तुलसीदास के व्यक्तित्व तथा कृतित्व से परिचित कराते हुए हिंदी साहित्य में उनके योगदान को जानकारी देना|
2. गोस्वामी तुलसीदास की समन्वय साधना को स्पष्ट कराना|
3. गोस्वामी तुलसीदास की काव्य-कला से परिचित कराना|
4. गोस्वामी तुलसीदास के काव्य की प्रासंगिकता से अवगत कराना|

अध्ययन-अध्यापन पद्धति :-

1. व्याख्यान एवं विश्लेषण
2. संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा और व्यक्तिगत स्वाध्याय
3. दृक-श्राव्य साधनों और माध्यमों का प्रयोग
4. अध्ययन यात्रा
5. विशेषज्ञ अतिथियों के आभासी व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	दार्शनिक पृष्ठभूमि : रामानुजाचार्य का विशिष्टाद्वैतवाद तुलसीदास का जीवन एवं कार्य,रामकाव्य की परम्परा के प्रवर्तक तुलसीदास, तुलसीदास की रचनाओंका सामान्य परिचय : रामलला नहछू, वैराग्य संदीपनी, बरवै रामायण, पार्वती मंगल, जानकी मंगल, रामाज्ञा प्रश्न, दोहावली, कवितावली, गीतावली, कृष्णगीतावली, रामचरित मानस, विनयपत्रिका, हनुमान बाहुक: सामान्य परिचय , तुलसीदास के शिल्पप्रयोग ,तुलसीदास की भक्ति भावना,रामचरित मानस का महाकाव्यत्व, रामचरित मानस : चार वक्ता चार श्रोता,तुलसी का रामाराज्यादर्श ,रामचरित मानस में लोक-मंगल ,रामचरित मानस में संस्कृति ,रामचरित मानस में सगुण-निर्गुण का समन्वय,रामचरित मानस और भायप भक्ति , तुलसीदास का लोकनायकत्व ,रामचरित मानस की भाषा, रामचरित मानस का छन्दोविधान, कवितावली की प्रासंगिकता ,कवितावली और तुलसीकालीन समाज,विनयपत्रिका का प्रयोजन ,विनयपत्रिका का वर्ण्य विषय ,विनयपत्रिका में भक्ति भावना,विनयपत्रिका में दैन्य भाव, विनयपत्रिका में मनोविज्ञान ,विनयपत्रिका में गीति तत्व ,विनयपत्रिका का शिल्प पक्ष ,तुलसीदास का हिंदी भक्तिकाव्य में स्थान	40
2	रामचरित मानस : उत्तरकाण्ड (सम्पूर्ण)	20
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

सन्दर्भ ग्रंथ :-

1. महाकवि तुलसीदास और उनका युग सन्दर्भ - डॉ. भगीरथ मिश्र
2. तुलसी दर्शन - डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र
3. तुलसी काव्य मीमांसा - डॉ. उदयभानु सिंह
4. तुलसी दर्शन मीमांसा - डॉ. उदयभानु सिंह
5. तुलसी और उनका काव्य - रामनरेश त्रिपाठी
6. तुलसीदास और उनका युग - राजपति दीक्षित
7. तुलसी साहित्य के बदलते प्रतिमान - चंद्रभानु रावत
8. विश्वकवि तुलसी और उनका काव्य - डॉ. रामप्रसाद मिश्र
9. तुलसी की साहित्य साधना - डॉ. लल्लन राय
10. तुलसीदास : वस्तु एवं शिल्प - डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
11. तुलसी साहित्य में नीति, भक्ति और दर्शन - डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा
12. तुलसी साहित्य : विवेचन और मूल्यांकन - डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा
13. तुलसी काव्य का सांस्कृतिक अध्ययन - डॉ. जितेन्द्रनाथ पाण्डेय
14. तुलसीदास : जीवनी एवं विचारधारा - डॉ. राजाराम रस्तोगी
15. तुलसीदास - सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
16. गोस्वामी तुलसीदास - डॉ. अशोक कामत
17. गोस्वामी तुलसीदास - रामजी तिवारी
18. तुलसी - प्रो. रामबहोरी शुक्ल
19. रामचरित मानस से प्रगतिशील प्रेरणा - पं. श्रीराम शर्मा
20. लोकनायक तुलसीदास विविध आयाम - सं. डॉ. अशोक मर्डे
21. तुलसीदास एवं एकनाथ के साहित्य में व्यक्त मानव मूल्यों का विशलेषण-डॉ.दतात्रय येडले , शैलजा प्रकाशन,कानपुर

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे **कुल अंक :- 50**

प्रश्न 1 ला :- ससंदर्भ व्याख्या कीजिये (किन्हीं दो पर) (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 2 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 3 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 4 था :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 5 वाँ :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत) - 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 418 - विशेष रचनाकार 'जायसी'

उद्देश्य :-

1. भक्तिकालीन प्रेमाश्रयी काव्य का अध्ययन
2. भक्तिकालीन राजनैतिक परिस्थितियों का अध्ययन
3. भक्तिकालीन काव्य भाषा का अध्ययन
4. सूफी काव्यधारा का परिचय

अध्ययन-अध्यापन पद्धति :-

1. व्याख्यान एवं विश्लेषण
2. संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा और व्यक्तिगत स्वाध्याय
3. दृक-श्राव्य साधनों और माध्यमों का प्रयोग
4. अध्ययनयात्रा
5. विशेषज्ञ अतिथियों के आभासी व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	सूफी काव्यधारा/निर्गुण प्रेमाश्रयी काव्यधारा, मलिक मुहम्मद जायसी का जीवनवृत्त,जायसी के ग्रन्थ – पद्मावत, अखरावट, कहरनामा, चित्ररेखा, मसलनामा, कन्हावत और आखरी कलाम, सूफी काव्य में सांस्कृतिक समन्वय,पद्मावत में इतिहास व कल्पना का समन्वय, पद्मावत में लोकतत्त्व,पद्मावत की प्रबंधात्मकता,जायसी का रहस्यवाद,पद्मावत में प्रेमतत्त्व, पद्मावत में विरहवर्णन,पद्मावत में चरित्र चित्रण,पद्मावत की महाकाव्यात्मकता, पद्मावत की भाषा तथा अलंकार योजना,जायसी की काव्यकला	40
2	पद्मावत- जायसी पाठ्यक्रम में समाविष्ट खंड – खंड 2 –सिंहलद्वीप - वर्णन खंड खंड 51 – पद्मावती-गोराबादल संवादखंड	20
3	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्य पुस्तक-

पद्मावत- जायसी, संपा.डॉ.माताप्रसाद गुप्त, भारती भण्डार, इलाहाबाद, 1963

संदर्भ ग्रंथ :-

1. जायसी के पद्मावत का मूल्यांकन – प्रो.हरेंद्र प्रताप सिन्हा
2. महाकवि जायसी और उनका काव्य – डॉ.इक्बाल अहमद
3. मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य – डॉ.शिवसहाय पाठक
4. जायसी पद्मावत काव्य और दर्शन – डॉ.गोविंद त्रिगुणायत
5. पद्मावतमें काव्य, संस्कृति और दर्शन – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
6. पद्मावत का काव्यसौंदर्य – डॉ.चंद्रबली पाण्डेय
7. सूफी संतों का मानवतावादी आन्दोलन–डॉ.विजय कुमार एस. वैराटे
8. संतों का आन्दोलन मानवमुक्ति का आन्दोलन–डॉ. विजयकुमार एस. वैराटे प्रकाशन : ईमलिवाला पाठकलाल कोठी गांधीनगर, जयपुर

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे **कुल अंक :- 50**

प्रश्न 1 ला :-	ससंदर्भ व्याख्या कीजिये (किन्हीं दो पर) (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 419 - विशेष रचनाकार 'अब्दुर्रहिम खान खाना 'रहीम'

उद्देश्य :-

१. भक्तिकालीन मुस्लिम कवियों का परिचय
२. अकबर के दरबारी विद्वानों का परिचय
३. हिन्दू देवताओं के मुस्लिम भक्त रहीम का परिचय
४. मध्ययुगीन हिन्दू-मुस्लिम सांस्कृतिक समन्वय
५. तुलसीदास और रहीम की मित्रता का अध्ययन
६. मध्ययुगीन भक्तिकाव्य, नीतिकाव्य और रीतिकाव्य में रहीम का स्थान

अध्ययन-अध्यापन पद्धति :-

१. व्याख्यान एवं विश्लेषण
२. संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा और व्यक्तिगत स्वाध्याय
३. दृक-श्राव्य साधनों और माध्यमों का प्रयोग
४. अध्ययन यात्रा
५. विशेषज्ञ अतिथियों के आभासी व्याख्यान

पाठ्यक्रम -

	पाठ्यांश	तासिकाएं
1	कवि रहीम का परिचय , रहीम का जीवन संघर्ष , रहीम की रचनाएँ – दोहावली, नगरशोभा, बरवै नायिका भेद, बरवै, शृंगार सोरठा, मदनाष्टक, खेट कौतुक जातकम, संस्कृत काव्य, फुटकर सोरठा, फ़ारसी दीवान: सामान्य परिचय, रहीम : लोक मानस के चितेरे, नीति और रीति के कवि ,हिन्दू-मुस्लिम एकता के पक्षधर ,रहीम के भाषायी प्रयोग,रहीम के छंद प्रयोग	30
2	दोहावली के २० दोहे,नगर शोभा के 10 दोहे,बरवै नायिका भेद के 10 बरवै,भक्ति के 10 बरवै ,शृंगार के 6 सोरठे ,मदनाष्टक 8,फुटकर १० पद,संस्कृत मिश्रित 6 श्लोक	30
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

सन्दर्भ ग्रंथ :-

१. रहीम रत्नावली – मायाशंकर याज्ञिक
२. रहिमन विलास – ब्रजरत्नदास
३. रहिमन विनोद – अयोध्याप्रसाद शर्मा
४. रहीम – सं. रामनरेश त्रिपाठी
५. रहिमन विलास – राधाकृष्ण दास
६. रहिमन शतक – लाला भगवानदीन
७. रहिमन चंद्रिका – रामनाथ सुमन
८. खेतकौतुक जातकम – टीकाकार पं. नारायणप्रसाद शर्मा
९. बरवै नायिकाभेद – सं. नकछेदी तिवारी
१०. रहीम कवितावली – सं. सुरेन्द्रनाथ तिवारी
११. रहीम ग्रंथावली – सं. डॉ. विद्यानिवास मिश्र
१२. खानखाना नामा – देवीप्रसाद मुंशी
१३. अकबरी दरबार – रामचंद्र वर्मा
१४. अकबरी दरबार के हिंदी कवि – डॉ. सरयूप्रसाद अग्रवाल
१५. भक्तमाल – नाभादास
१६. रहीम – विजयेन्द्र स्नातक

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे कुल अंक :- 50

प्रश्न 1 ला :-	ससंदर्भ व्याख्या कीजिये (किन्हीं दो पर) (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुतरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुतरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

MA II - Hindi Semester –III

Core Course - 501 - भारतीय साहित्य : सैध्दांतिक पक्ष

उद्देश्य : -

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा एवं स्वरुप का अध्ययन करना ।
2. भारतीय भाषाओं में लिखित साहित्य के माध्यम से भारतीयत्व की पहचान करना ।
3. भारतीय साहित्य की सैध्दांतिकी का अध्ययन करना ।
4. तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा को समझना ।

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान पध्दति
2. दृक- श्राव्य साधनों का प्रयोग
3. रचनाकार/ अनुवादक /आलोचकों से साक्षात्कार
4. छात्र-संवाद /छात्र- संगोष्ठी
5. स्वाध्याय

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	भारतीय साहित्य की अंवधारणा एवं स्वरूप, भारतीय भाषाओं में लिखित साहित्य,सांस्कृतिक ,सामाजिक तथा भौगोलिक परिवेश में भारतीय साहित्य के मूल्यांकन के विविध दृष्टिकोण,भारतीय नवजागरण तथा उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव,भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता,भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब,भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त जीवनमूल्य एवं वसुधैव कुटुंबकम् की अवधारणा, भारतीय साहित्य पर महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद,महर्षि अरविंद तथा डॉ बाबासाहब अम्बेड़कर का प्रभाव	10
2	भारतीयता के पहचान के सूत्र : विविधता मे एकता, पारिवारिक संरचना में एकरुपता , सामाजिक संरचना में एकरूपता , तीज-त्योहार-पर्व-परम्पराएँ, भाषाई विविधता	10
3	भारतीय साहित्य के आधार तत्व : समान सांस्कृतिक आधारभूमि, समान राजनीतिक आधारभूमि, समान साहित्यिक आधारभूमि	10
4	भारत की औपनिवेशिकता और भारतीय साहित्य	10
5	तुलनात्मक और भारतीय साहित्य	10
6	भारतीय साहित्य में अनुवाद की भूमिका, महत्व, आवश्यकता तथा उपादेयता	10
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ : -

1. भारतीय साहित्य : डॉ नगेंद्र : प्रभात प्रकाशन , नई दिल्ली
2. भारतीय साहित्य : डॉ रामछबीला त्रिपाठी : वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली
3. भारतीय साहित्य : सं मूलचंद गौतम : राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली
4. भारतीय साहित्य : डॉ ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह, समवेत प्रकाशन कानपुर

5. भारतीय साहित्य : डॉ लक्ष्मीकांत पांडेय , ज्ञानोदय प्रकाशन , कानपुर
6. हिंदी और कन्नड के नाटकों का तुलनात्मक अंध्ययन :डॉ हेब्बरी ,साहित्य रत्नालय ,कानपुर
7. मराठी साहित्य : परिदृश्य : चंद्रकांत बंदिवडेकर, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
8. कन्नड साहित्य का इतिहास : रं.श्री मुंगळी,अनु. गौरीश कायकिणी,साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
10 भारतीय रंगमंचशास्त्र एवं आधुनिक रंगमंच : डॉ. कैलाशचंद शर्मा ,जयभारती प्रकाशन , इलाहाबाद
11. भारतीय साहित्य और आदिवासी विमर्श -डॉ माधव सोनटक्के
12. भारतीय साहित्य की भूमिका - डॉ. रामविलास शर्मा
13. भारतीय साहित्य - डॉ. लक्ष्मीकांत पांडेय / डॉ. प्रमिला अवस्थी
14. भारतीय साहित्य की रूपरेखा - डॉ. भोलाशंकर व्यास
15. आज का भारतीय साहित्य - प्रस्तावना - डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन
16. भारतीय भाषा व साहित्य - डॉ. सुनीलकुमार लवटे
17. भारतीय साहित्य : आशा और आस्था - डॉ. आरसु
18. भारतीयता की पहचान - डॉ. विद्यानिवास मिश्र
19. भारतीय साहित्य की एकता का सारांश - नंददुलारे वाजपेयी
20. भारतीय साहित्य - डॉ. आर. आई. शांति / डॉ. प्रकाश ए.
21. भारतीय साहित्य : स्थापनाएं और प्रस्तावनाएं - के. सच्चिदानंदन
22. आधुनिक भारतीय साहित्य - डॉ. राजेंद्र मिश्र
23. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास - डॉ. नगेंद्र
24. भारतीय साहित्य विचार - डॉ. लीला गोविलकर
25. भारतीय साहित्य मीमांसा - डॉ. महेश्वर भाई पटेल
26. प्राचीन भारतीय साहित्य का इतिहास - एम्. विंटरनिट्ज
27. भारतीय साहित्य की प्राणशक्ति - डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
28. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य - डॉ. इंद्रनाथ चौधुरी
29. तुलनात्मक साहित्य : सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य - डॉ. हनुमान प्रसाद शुक्ल
30. भारतीय तुलनात्मक साहित्य - इंद्रनाथ चौधुरी
31. तुलनात्मक साहित्य : नये सिद्धांत और उपयोजन - डॉ. आनंद पाटील

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे कुल अंक :- 50

प्रश्न 1 ला :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक
प्रश्न 2 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक
प्रश्न 3 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक
प्रश्न 4 था :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत) - 10 अंक

Core Courcse - **502 हिंदी भाषा का इतिहास**

उद्देश्य

१. हिंदी भाषा का संरचात्मक अध्ययन
२. हिंदी भाषा के विकासक्रम का अध्ययन
३. हिंदी की बोलियों का अध्ययन

अध्ययन अध्यापन पद्धति

१. व्याखान
२. दृक - श्रव्य साधनों का प्रयोग
३. स्वाध्याय
४. अध्ययन यात्रा

पाठ्यक्रम -

• पाठ्यांश	तासिकाएं
1. संसार की भाषाओं का वर्गीकरण अ) संसार के भाषा परिवार : सामान्य परिचय आ) भारत वर्ष के भाषा परिवार : सामान्य परिचय	10
2. हिंदी उद्भव और विकास अ) भारतीय आर्यभाषा : विकासात्मक परिचय आ) हिंदी उद्भव और विकास	10
3. हिंदी का भौगोलिक विस्तार अ) हिंदी की उपभाषाएं एवं बोलियों आ) पश्चिमी हिंदी और उसकी बोलियाँ इ) पूर्वी हिंदी और उसकी बोलियाँ ई) राजस्थानी हिंदी और उसकी बोलियाँ उ) बिहारी हिंदी और उसकी बोलियाँ ऊ) पहाड़ी हिंदी और उसकी बोलियाँ	10
4. हिंदी भाषा की संरचना अ) हिंदी की स्वनिम व्यवस्था : खंडय तथा खंडेतर आ) हिंदी की शब्द रचना : उपसर्ग ,प्रत्यय,समास इ) हिंदी की रूप रचना : लिंग ,वचन ,कारक ई) हिंदी की वाक्य रचना : पदक्रम और अन्वय	10
5. हिंदी की शब्द सम्पदा : अ) तत्सम आ) तद्भव	10

इ) देशज ई) विदेशी उ) संकर	
6. देवनागरी लिपि अ) लिपि : तात्पर्य एवं स्वरुप आ) देवनागरी लिपि : उद्धव और विकास इ) देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता ई) देवनागरी लिपि : दोष एवं त्रुटियाँ उ) देवनागरी लिपि में सुधार के प्रयास ऊ) संगणक की दृष्टी से देवनागरी लिपि ऋ) मानकीकरण और हिंदी	10
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास : उदय नारायण तिवारी : लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद
2. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास : डॉ हेतु भारद्वाज / डॉ रमेश राउत ,पंचशील प्रकाशन ,जयपुर
3. हिंदी भाषा का इतिहास : डॉ भोलानाथ तिवारी : वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली
4. हिंदी उद्‌भव ,विकास रूप : हरिदेव बाहरी : वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली
5. हिंदी भाषा की संरचना :डॉ भोलानाथ तिवारी ,शब्दकार , नई दिल्ली
6. हिंदी भाषा और लिपि का एतिहासिक विकास :प्रो सत्यनारायण त्रिपाठी ,विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	**50**	**100**
20	**20**	**10**		

समय **:- 2 घंटे** कुल अंक **:- 50**

प्रश्न 1 ला :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 2 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 3 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 4 था :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 5 वाँ :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत) - 10 अंक

Core Course - 503 - प्रयोजनमूलक हिन्दी

उद्देश्य :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी के सिद्धान्त और प्रविधि से छात्रों को अवगत करना।
2. कार्यालयीन हिन्दी का अनुप्रयोग सीखाना ।
3. कार्यालयीन हिन्दी में संगणक की उपयोगिता को समझाकर उसका उपयोग करना सीखाना ।
4. पारिभाषिक शब्दावली का महत्व एवं उपयोगिता समझाकर उसके प्रयोग के लिए प्रेरित करना।

अध्ययन अध्यापन पद्धति

1. व्याखान
2. दृक - श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. स्वाध्याय
4. अध्ययन यात्रा

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	**प्रयोजनमूलक हिन्दी :संकल्पना और अनुप्रयोग** प्रयोजनमूलक हिंदी तात्पर्य बोध,स्वरूप और परिभाषाएँ प्रयोजमूलक हिंदी का प्रयुक्ति क्षेत्र : व्याप्ति अथवा प्रयुक्ति प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध प्रकार,भेद, रूप और सामान्य अभिलक्षण प्रयोजनमूलक हिंदी : संकल्पना एवं अवधारणा तथा विविध आयाम प्रयोजमूलक हिंदी : उपयोगिता एवं महत्व प्रयोजमूलक हिंदी की विशेषताएँ ,सीमा एवं संभावनाएँ	15
2	**कार्यालय क्रियाविधि :** पंजीयन,टिप्पण,आलेखन,प्रेषण, संक्षेपण,प्रतिवेदन,कार्यवृत्त, पल्लवन, आदेश, परिपत्रक, प्रेस विज्ञप्ति,रिपोर्टिग आदि ।	15
3	**प्रयोजनमूलक हिंदी के विकास में संस्थाओं का सहयोग :-** केन्द्रीय हिंदी निदेशालय,वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग,राजभाषा विधाई आयोग,केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, केन्द्रीय हिंदी संस्थान	15
4	**पारिभाषिक शब्दावली :** पारिभाषिक शब्दावली की संकल्पना तथा अर्थ, संरचना एवं स्वरूप,पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण का इतिहास :- क) स्वतंत्रता पूर्व का निर्माण ख) स्वतंत्रता के बाद का निर्माण,पारिभाषिक शब्दावली की परिभाषाएँ,पारिभाषिक शब्दावली की विशेषताएँ	15

	अथवा गुण, पारिभाषिक शब्दावली की आवश्यकता एवं महत्व,पारिभाषिक शब्दावली का वर्गीकरण या भेद	
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

सन्दर्भ ग्रंथ :-

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ. विनोद गोदरे
2. प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद - डॉ. राम गोपालसिंह जादौन
3. भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम एवं हिन्दी भाषा- डॉ. अंबादास देशमुख
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ. माधव सोनटक्के
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी और पत्रकारिता - डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह
6. .प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग - दंगल झाल्टे
7. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. दक्षा निमावत
8. .प्रयोजनमूलक व्यवहारिक हिन्दी- ओमप्रकाश सिंहल
9. .प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा व्यवहारिक हिन्दी- डॉ. सुकुमार भंडारे
10. .प्रयोजनमूलक हिन्दी- विशाला शर्मा
11. प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा पत्रलेखन - डॉ.बापूराव देसाई
12. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ. उर्मिला पाटील
13. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ.तेजपाल चौधरी
14. **प्रयोजनमूलक हिंदी-डॉ.विशाला शर्मा विकास प्रकाशन, कानपुर**
15. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका - डॉ. कैलाशनाथ पाण्डेय
16. प्रयोजमूलक हिंदी - डॉ. पी.लता
17. प्रयोजमूलक प्रशासनिक हिन्दी - प्रो.दिशेश चमोला आदिश प्रकाशन गढ़ विहार,फेज -1 देहरादुन

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे कुल अंक :- 50

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 507 - कार्यालयीन हिंदी

उद्देश्य :

1. कार्यालयीन हिंदी के प्रयोग को समझना ।
2. प्रशासनिक विभिन्न पत्राचार–लेखन से छात्रों को परिचित कराना ।
3. कार्यालयीन विशेष भाषा के रूप में प्रयोनमुलक हिंदी के महत्त्व को प्रकट करना ।
4. कार्यालयीन अनुवाद से छात्रों को अवगत कराना ।

अध्ययन –अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान पद्धति
2. कार्यशाला
3. सर्वेक्षण एवं निरीक्षण
4. दृक श्राव्य साधनों का प्रयोग

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	कार्यालयी या कामकाजी हिंदी : कार्यालयी हिंदी : स्वरूप एवं विशेशताएँ कार्यालयी हिंदी के उद्देश्य एवं कार्य, कार्यालयी भाशा तथा साहित्यिक भाषा में अंतर कार्यालयीन हिंदी के भेद :प्रशासनिक हिंदी,साहित्यिक हिंदी,व्यावसायिक हिंदी,तकनीकी हिंदी	10
2	कार्यालयीन हिंदी : शब्दावली एवं अभिव्यक्तियाँ : प्रशासनिक शब्दावली से तात्पर्य एवं स्वरूप ,प्रशासनिक शब्दावली का महत्त्व और उपयोग , कार्यालयीन शब्दावली के व्यावहारिक क्षेत्र ▪ बैंक कार्यालय संबंधी शब्दावली, ▪ बीमा कार्यालय संबंधी शब्दावली ▪ न्यायालय संबंधी शब्दावली ▪ रेल कार्यालय संबंधी शब्दावली	10
3	कार्यालयीन हिंदी भाषा रूप : कार्यालयीन भाषा से तात्पर्य एवं स्वरूप, कार्यालयी भाषा की संरचनात्मक विशेषताएँ	10
4	कार्यालयीन पत्र : लेखन और प्रकिया : कार्यालयीन पत्र का स्वरूप, परिभाषा एवं विशेषताए, कार्यालयीन पत्रों के अंग,कार्यालयीन पत्र लेखन की भाषागत विशेषाताएँ , सरकारी या प्रशासकिय पत्र : विविध रूप ▪ सरकारी पत्र, अर्ध्दसरकारी पत्र, कार्यालयी ज्ञापन ▪ अधिसूचना संकल्प या प्रस्ताव, कार्यालयी आदेश ▪ प्रेस विज्ञापन नोट, पृष्ठांकन, परिपत्र,भारतीय ▪ राजपत्र (गजट)	10

5	कार्यालयीन अनुवादः कार्यालयीन अनुवाद का स्वरूप एवं विशेषताएँ, कार्यालयीन अनुवाद की आवश्यकता, कार्यालयीन अनुवाद के प्रकार /भेद, कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ और समाधान	10
6	कार्यालयों में कम्पुटर कार्यः माइक्रोसाप्ट वर्ड संबंधी कार्य ▪ डाक्यूमेंट बनाना, डाक्युमेंट का रूपांकन, टेक्स्ट का प्रारूप, बदलना मेल मर्ज करना, डाक्यूमेंट का टेम्पटेल बनाना पेज मेकर :नई फाईल का निर्माण, डाक्युमेंट का रूपांकन करना, टूल बॉक्स कार्यालय प्रयुक्ति में कम्प्युटर संबंधी समस्याएँ	10
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ :

1) प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धान्त एवं प्रयोग : द ंगल झाल्टे
2) प्रयोजनमूलक हिंदी संरचना एवं प्रयोग : डॉ. माधव सोनटक्के
3) प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. विनोद गोदरे
4) कामकाजी हिंदी : डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित
5) प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध आयाम : डॉ. मनोज पाण्डेय
6) हिंदी पत्रकारिता विविध आयाम : वेदप्रताप वैदिक
7) समाचार संकलन एवं लेखन : नंदकिशोर त्रिखा
8) साक्षात्कार सिद्धान्त और व्यवहार : रामशरण जोशी
9) व्यवहारिक हिंदी : डॉ. राजेन्द्र पाण्डेय
10) प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी : कैलाशचंद्र भाटिया
11) कम्प्यूटर एवं हिंदी : डॉ. हरिमोहन
12) प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयीन हिंदी : कृष्णकुमार गोस्वामी
13) उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक : हर्षदेव
14) कार्यालयीन हिंदी : डॉ. मनोज पाण्डेय

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा—सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे **कुल अंक :- 50**

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 508 - माध्यम लेखन

- **उद्देश्य**
  1. जनसंचार माध्यमों का अध्ययन
  2. माध्यमोपयोगी लेखन का सैद्धान्तिक अध्ययन
  3. माध्यम लेखन कौशल व विकास

- **अध्ययन-अध्यापन पद्धति**
  1. व्याख्यान
  2. दृक/श्राव्य साधनों का प्रयोग
  3. कार्यशाला/अभ्यास
  4. मीडियाकर्मियों से साक्षात्कार

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	**जन-संचार**: स्वरूप, प्रक्रिया और क्षेत्र:जनसंचार: तात्पर्य एवं स्वरूप,संचार प्रक्रिया,संचार के क्षेत्र एवं प्रकार,संचार माध्यमोंद्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा,संचार माध्यमों की भाषा,हिंदी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्यागिकी की चुनौतियाँ।	10
2	**जनसंचार माध्यम** :स्वरूप,तत्व, प्रकार, प्रक्रिया एवं विकास,जनसंचार माध्यम :तात्पर्य एवं स्वरूप,जनसंचार माध्यम के भेद **परपंरागत माध्यम:** तमाशा, लावणी, कठपुतली रासलीला, नौटंकी **आधुनिक माध्यम:** समाचारपत्र ,रेडियो,सिनेमा,दूरदर्शन,इंटरनेट,मोबाइल फोन **नवइलैक्ट्रानिक माध्यम** इलैक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन-संपादन और प्रस्तुतिकरण की प्रविधि।	10
3	**माध्यमों के लिए लेखन: स्वरूप और प्रकार:** माध्यम/संचारभाषा :स्वरूपगत विशेषताएँ,माध्यम लेखन और सृजनात्मक लेखन,माध्यम लेखन के प्रमुखप्रकार,माध्यम लेखन में सृजनशीलता का वैशिष्ट्य,मीडिया एवं फीचर लेखन में सृजनात्मक अपेक्षा तथा आयाम,माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुखप्रकार,हिंदी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास	10

4	मुद्रित माध्यम के लिए लेखन: समाचार,फिचर,विज्ञापन,संपादकीय, ब्लॉगलेखन, डॉक्यूमेंट्री लेखन	10
5	श्राव्य माध्यम के लिए लेखन: रेडियोवार्ता,रेडियोनाटक	10
6	दृक-श्राव्य माध्यम के लिए लेखन: धारावाहिक,विज्ञापन,टेलिफिल्म,फिचरफिल्म तथा वृत्तचित्र लेखन	10
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ :

1. मीडिया लेखन :सिद्धान्त और व्यवहार : डॉ. चंद्रप्रकाश :संजय प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. नये जनसंचार माध्यम और हिंदी :सं.सुधीर पचौरी राजकमल प्रकाशन
3. हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषारूप :डॉ.माधव सोनटक्के, छाया पब्लिकेशन, औरंगाबाद
4. पटकथा लेखन: एक परिचय :मनोहर श्याम जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. टेलीविजन लेखन: अजगर वजाहत, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. रेडियो नाटक की कला: डॉ.सिद्धानाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. भारतीय सिने सिद्धांत :अनुपम ओझा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
8. रेडियो लेखन :मधुकर गंगाधर, हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे कुल अंक :- 5

प्रश्न 1 ला :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 2 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 3 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 4 था :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 5 वाँ :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत) - 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - **509** - अनुवाद विज्ञान

उद्देश्य : -

1 अनुवाद प्रक्रिया का वैज्ञानिक अध्ययन करना ।

2 अनुवाद कौशल का विकास करना ।

3 अनुवाद के महत्त्व को समझना ।

4 अनुवाद की रोजगारपरकता स्पष्ट करना ।

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान पध्दति
2. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. कार्यशाला का आयोजन
4. कोशों का प्रयोग और व्यावहारिकता
5. विशेषज्ञ अतिथियों के आभासी व्याख्यान
6. स्वाध्याय और अनुवाद - अभ्यास

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	अनुवाद : अर्थ,परिभाषा, स्वरुप और क्षेत्र, अनुवादक के गुण,अनुवाद : विज्ञान अथवा कला,अनुवाद का महत्व,अनुवाद की प्रक्रिया प्रविधि और सिध्दांत,अनुवाद के उपकरण,अनुवाद की विभिन्न शैलियाँ	15
2	अनुवाद की प्रक्रिया : अनुवाद का भाषा वैज्ञानिक पक्ष,अनुवाद और ध्वनि विज्ञान,अनुवाद और वावस्य विज्ञान,अनुवाद और रूप विज्ञान, अनुवाद और अर्थ विज्ञान	15
3	प्रयोजनमूलक अनुवाद : कार्यालयी अनुवाद,मीडिया के क्षेत्र में अनुवाद,वैज्ञानिक एवं तकनीकी सामग्री का :अंनुवाद	15
4	साहित्यानुवाद के विविध आयाम: काव्यानुवाद, कथानुवाद,नाट्यानुवाद,विविध साहित्यिक विधाओं का अनुवाद	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ : -

1. अनुवाद सिध्दान्त की रूपरेखा :डॉ सुरेशकुमार,वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली
2. कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ : डॉ भोलानाथ तिवारी / डॉ गोस्वामी / गुलाटी शब्दाकार , गुरू अंगदनगर दिल्ली
3. राजभाषा हिंदी में वैज्ञानिक अनुवाद की दिशाएँ : डॉ हरिमोहन ,तक्षशिला प्रकाशन,दरियागंज ,नई दिल्ली
4. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ : डॉ भोलानाथ तिवारी / जितेंद्र गुप्त , शब्दाकार , दिल्ली -92
5. ई अनुवाद और हिंदी : डॉ हरीशवुत्रमार सेठी ,किताबघर , अंसारी रोड ,दरियागंज , नई दिल्ली
6. अनुवाद एवं भाषान्तरण :पाठ और अंभ्यास:सं.-रवींद्र गर्गेश कृष्णकुमार गोस्वामी ,ओरियंट लौगमैन, नई दिल्ली
7. अनुवाद का समाजशास्त्र : डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे ,अमित प्रकाशन , दिल्ली

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे

कुल अंक :- 50

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 510 - हिंदी कम्प्यूटिंग

उद्देश्य :

1. हिंदी कम्प्यूटिंग का समान्य ज्ञान प्राप्त कराना ।
2. हिंदी कम्प्यूटिंग के महत्व को उजागर करना ।
3. कम्प्युटर प्रबंधन की सामान्य जानकारी देना ।
4. इंटरनेट के सामान्य परिचय से छात्रों को अवगत कराना ।

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान पध्दति
2. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. कार्यशाला का आयोजन
4. कोशों का प्रयोग और व्यावहारिकता
5. विशेषज्ञ अतिथियों के आभासी व्याख्यान
6. स्वाध्याय और अनुवाद - अभ्यास

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	**हिंदी कम्प्यूटिंग : स्वरूप और अवधारणा :- हिंदी कम्प्यूटिंग :परिचय** हिंदी कम्प्यूटिंग: विकास यात्रा,हिंदी कम्प्यूटिंग के आधारभूत तत्व, हिंदी कम्प्यूटिंग का वर्तमान स्वरूप तथा भविष्य, हिंदी कम्प्यूटिंग : बाधाएँ एवं उपाय , हिंदी कम्प्यूटिंग : युनिकोड	30
2	**इंटरनेट - सामान्य परिचय** इंटरनेट का ऐतिहासिक परिदृश्य इंटरनेट का विकास भारत में इंटरनेट का आरंभ इंटरनेट से मिलने वाली सुविधाएँ इंटरनेट उपयोग एवं महत्व	30
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ : -

1. कम्प्यूटर का सहजबोध - इकबाल मु. अली/सुरेश सलील
2. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजयकुमार मल्होत्रा
3. कम्प्यूटर क्या, क्यों और कैसे -रामबंसल 'विद्याचार्य'
4. कम्प्यूटर समान्य ज्ञान एवं युजर गाईड -रामबंसल 'विद्याचार्य'
5. कम्प्यूटरी सूचना प्रणाली विकास -रामबंसल 'विद्याचार्य'
6. माध्यमिक कम्प्यूटर शिक्षा -रामबंसल 'विद्याचार्य'
7. मानव मित्र कम्प्यूटर - प्रशांत भूषण

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे कुल अंक :- 50

प्रश्न 1 ला :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुतरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 2 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुतरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 3 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 4 था :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 5 वाँ :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत) - 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - **511** भाषिक संप्रेषण

उद्देश्य :

1. संप्रेषण की कला का महत्व प्रतिपादित करना |
2. संप्रेषण में भाषा के महत्व को विशद करना |
3. संप्रेषण के मौखिक और लिखित प्रकारों को समझाना |

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान पध्दति
2. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. कार्यशाला का आयोजन
4. कोशों का प्रयोग और व्यावहारिकता
5. विशेषज्ञ अतिथियों के आभासी व्याख्यान
6. स्वाध्याय और अनुवाद - अभ्यास

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	**हिन्दी का भाषिक स्वरूप :-** हिंदी भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप , हिन्दी भाषा के विविध रूप , भाषा और भाषिक संरचना के विविध स्तर, भाषा के प्रकार्य ,भाषा का सामाजिक संदर्भ ,भाषा की विशेषताएँ ।	**15**
2	**संप्रेषण :सैध्दांतिक स्वरूप :-** संप्रेषण का अर्थ और परिभाषा , संपेषण का प्रयोजन, संप्रेषण की प्रक्रिया ,संप्रेषण के प्रकार ,संप्रेषण के बाधक तत्व ,संप्रेषण की चुनौतियाँ ।	**15**
3	**भाषा और मौखिक संप्रेषण :** मौखिक संप्रेषण का स्वरूप मौखिक संप्रेषण हेतु आवश्यक गुण मौखिक संप्रेषण के लाभ । मौखिक संप्रेषण के दोष । मौखिक संप्रेषण के विविध प्रकार :- - बातचीत, संवाद, बैठकें, सम्मेलन, सभाएँ, साक्षात्कार, व्याख्यान, उद्घोषणा, रेडियो वार्ताएँ , टेलीफोन या भ्रमणध्वनि पर बातचीत,कहानी कथन,पौराणिक आख्यानों का प्रस्तुतीकरण, वाद-विवाद या वक्तृत्व, प्रतियोगिताएँ, अदालती मुकदमें और संसदीय बहस आदि का परिचय		**15**
4	**भाषा और लिखित संप्रेषण :** लिखित संप्रेषण का स्वरूप	**15**

	लिखित संप्रेषण हेतु आवश्यक गुण लिखित संप्रेषण के लाभ लिखित संप्रेषण के दोष लिखित संप्रेषण के विविध प्रकार : पत्र लेखन, रिपोर्ट लेखन, नोट या टिप्पण लेखन, विज्ञापन लेखन, ई-मेल, ब्लॉग,ट्वीटर, फेसबुक लेखन और इंस्टाग्राम लेखन आदि ।	
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ : -

1. हिन्दी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. भाषिकी हिन्दी भाषा तथा भाषा शिक्षण -डॉ.अम्बादास देशमुख
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी और पत्रकारिता - डॉ.दिनेश प्रसाद सिंह
4. व्यवसायिक संप्रेषण -डॉ.अनूपचन्द्र पु.भायाणी
5. हिन्दी भाषा -डॉ.हरदेव बहारी
6. हिन्दी भाषा का इतिहास - डॉ.भोलानाथ तिवारी
7. मानक हिन्दी का शुध्दिपरक व्याकरण - रमेश मेहरोत्रा
8. व्यवहारिक हिन्दी पत्राचार -दंगल झाल्टे
9. मानक हिन्दी स्वरूप और संरचना - डॉ. रामप्रकाश
10. परिष्कृत हिन्दी व्याकरण - बद्रीनाथ कपुर
11. प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा मीडिया लेखन - डॉ.बापूराव देसाई
12. सृजनात्मक लेखन-हरिश आरोडा
13. संप्रेषण कला - अरूण चतुर्वेदी
14. संप्रेषण परक व्याकरण : सिध्दांत और प्रारूप - सं. सुरेश कुमार ,केन्द्रीस हिंदी संस्थान,आगरा
15. मौखिक कौशल (खंड **1-2**) संपादन केन्द्रीय हिंदी संस्थान,आगरा

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	**50**	**100**
20	**20**	**10**		

समय :- **2 घंटे** कुल अंक :- **50**

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 512 - *भाषा शिक्षण*

उददेश्य :

1. *भाषा शिक्षण संदर्भ और भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाओं को स्पष्ट करना*
2. *भाषा शिक्षण की विधियाँ समझाना*
3. *हिंदी शिक्षण के संदर्भ स्नातकोत्तर छात्रों को यथोचित जानकारी प्रदान करना*
4. *भाषा परीक्षण और मूल्यांकन की संकल्पना,भाषा परीक्षण के प्रकार तथा मूल्यांकन के प्रकार के संदर्भ में स्नातकोत्तर छात्रों को यथोचित जानकारी प्रदान करना*

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान पध्दति
2. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. कार्यशाला का आयोजन
4. कोशों का प्रयोग और व्यावहारिकता
5. विशेषज्ञ अतिथियों के आभासी व्याख्यान
6. स्वाध्याय और अनुवाद - अभ्यास

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	***भाषा शिक्षण संदर्भ और भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएँ :*** *भाषा शिक्षण संदर्भ : राष्ट्रीय ,सामाजिक , शैक्षिक और भाषिक* *भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएँ : प्रथम भाषा/ मातृभाषा तथा अन्य भाषा संकल्पना, अन्य भाषा कं अंतर्गत व्दितीय तथा विदेशी भाषा की संकल्पना, मातृभाषा व्दितीय भाषा और विदेशी भाषा के शिक्षण में अंतर , सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा – शिक्षण*	**15**
2	***भाषा शिक्षण की विधियाँ :*** *भाषा कौशल : श्रवण, भाषण, वाचन और लेखन कौशल ।* *भाषा कौशल के रूप में शिक्षण, भाषा कौशलों के विकास की तकनीक और अभ्यास ।* *अन्य भाषा शिक्षण की प्रमुख विधियाँ : व्याकरण–अनुवाद– विधि,प्रत्यक्ष विधि , मौखिक वार्तालाप विधि ,संरचनात्मक विधि ,व्दिभाषिक शिक्षण विधि*	**15**
3	***हिंदी शिक्षणः*** *हिंदी का मातृभाषा के रूप में शिक्षण : स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा , दुरस्थ शिक्षा, तकनीकी तथा विशिष्ट प्रयोजन से संदर्भित शिक्षा*	**15**

	द्वितीय भाषा के रूप में सजातीय और विजातीय भाषा वर्गों के संदर्भ में शिक्षण *विदेशी भाषा के रूप में विदेशों में हिदी शिक्षण।*	
4	***भाषा परीक्षण और मूल्यांकन :*** *भाषा परीक्षण और मूल्यांकन की संकल्पना* *भाषा परीक्षण के प्रकार* *मूल्यांकन के प्रकार*	**15**
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ :

1- मानव संसाधन के रूप में भाषा की उपादेयता – डॉ. रामकिशोर शर्मा

2- व्यक्तित्व विकास में सहायक भाषिक व्यवहार एवं प्रबंधन जागरूकता – सं.डॉ. यज्ञप्रसाद तिवारी,डॉ. वीणा दाढे

1- भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिंदी : रामविलास शर्मा

2- भारत की भाषा समस्या : रामविलास शर्मा

3- भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा

4- हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा

5- हिंदी शब्दानुशासन : किशोरीदास वाजपेयी

6- हिंदी व्याकरण : कामताप्रसाद गुरु

7- हिंदी भाषा : हरदेव बाहरी

8- हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

9. Hindi Phonetic Reader : Omkar N. Koul

10. Translation and Interpreting : R. Gargesh & K.K. Goswami

11. Applied Linguistics : R.N. Srivastava

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे कुल अंक :- 50

प्रश्न 1 ला :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 2 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 3 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 4 था :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 5 वाँ :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत) - 10 अंक

MA II - Hindi Semester –IV

Core Course - 504 - भारतीय साहित्य : रचना एवं रचनाकार

उद्देश्य :

1. भारतीय साहित्य के स्वरूप को समझाना ।
2. भारत की विभिन्न भाषाओं में लिखे गए साहित्य में समान सूत्रों की पहचान कराना ।
3. भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के मूल्यों का अध्ययन करना ।
4. भारतीय साहित्यकारों के योगदान को अधोरेखित करना ।

अध्ययन अध्यापन पद्धति

1. व्याखान
२. दृक - श्रव्य साधनों का प्रयोग
३. स्वाध्याय
4. अध्ययन यात्रा

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	भारतीय साहित्य का स्वरूप एवं तात्पर्य,भारतीय साहित्य :परिभाषा,अर्थ, विशेषताएँ,भारतीय साहित्य का इतिहास,भारतीय साहित्य के आधारभूत तत्व,भारतीय साहित्य के अध्ययन की आवश्यकता,भारतीय साहित्य के अनुवाद का महत्त्व,भारतीय साहित्य और तुलनात्मक अध्ययन	12
2	जंगल के दावेदार - **संवेदना और शिल्पगत अध्ययन**	12
3	हयवदन - **संवेदना और शिल्पगत अध्ययन**	12
4	घासीराम कोतवाल - **संवेदना और शिल्पगत अध्ययन**	12
5	अधुरे मनुष्य - **संवेदना और शिल्पगत अध्ययन**	12
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्यपुस्तकें -

जंगल के दावेदार : उपन्यास - महाश्वेता देवी - बांग्ला

हयवदन : कन्नड नाटक - गिरीश कार्नाड - कन्नड

घासीराम कोतवाल : नाटक - विजय तेंदुलकर -मराठी

अधुरे मनुष्य : कहानी संग्रह(**सम्पूर्ण कहानियां**) - डी.जयकांतन - तमिल

सन्दर्भ ग्रंथ -

1. भारतीय साहित्य : डॉ नगेंद्र : प्रभात प्रकाशन , नई दिल्ली
2. भारतीय साहित्य : डॉ रामछबीला त्रिपाठी : वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली
3. भारतीय साहित्य : सं मूलचंद गौतम : राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली
4. भारतीय साहित्य : डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह, समवेत प्रकाशन कानपुर
5. भारतीय साहित्य : डॉ. लक्ष्मीकांत पांडेय , ज्ञानोदय प्रकाशन , कानपुर
6. हिंदी और कन्नड के नाटकों का तुलनात्मक अंध्ययन :डॉ हेब्बरी ,साहित्य रत्नालय ,कानपुर
7. मराठी साहित्य : परिदृश्य : चंद्रकांत बंदिवडेकर, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
8. कन्नड साहित्य का इतिहास : रं.श्री मुंगळी,अनु. गौरीश कायकिणी,साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

10 भारतीय रंगमंचशास्त्र एवं आधुनिक रंगमंच : डॉ. कैलाशचंद शर्मा ,जयभारती प्रकाशन , इलाहाबाद

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे कुल अंक :- 50

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

Core Course - 505 - हिंदी भाषा तथा भाषा विज्ञान

उद्देश्य :

1. हिंदी भाषा के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से छात्रों को अवगत कराना |
2. हिंदी की उपभाषाएँ तथा बोलियों का सामान्य परिचय देकर छात्रों को उससे अवगत कराना |
3. हिंदी शब्द रचना और रूप रचना संबंधी छात्रों को सूचित कराना |
4. हिन्दी भाषा प्रयोग के विविध रूपों से छात्रों को परिचित कराना |
5. भाषा विज्ञान का सैद्धांतिक विवेचन करना |
6. भाषा विज्ञान के विविध अंगों का सामान्य परिचय कराना |
7. रूप ,रूपिम,वाक्य तथा अर्थ विज्ञान का सामान्य परिचय देना |

अध्ययन अध्यापन पद्धति

1. व्याख्यान
२. दृक - श्रव्य साधनों का प्रयोग
३. स्वाध्याय
4. अध्ययन यात्रा

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	**हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :** प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ , मध्यकालीन आर्य भाषाएँ :- पाली,पाकृत-शौरसेनी,अर्धमागधी,मागधी,अपभ्रंश आदि प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्य भाषाओं की विशेषताएँ	**15**
2	**हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ :** - पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी ,राजस्थानी हिंदी, बिहारी हिंदी , पहाड़ी हिंदी	**15**
3	**भाषा विज्ञान सैध्दांतिकी :** भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप,भाषा विज्ञान की उपशाखाएँ: कोश विज्ञान, समाज भाषा विज्ञान, लिपि विज्ञान, मनोभाषा विज्ञान, भाषा भूगोल का संक्षिप्त परिचय ,वाग्वयव और उच्चारण प्रक्रिया , स्वनों का वर्गीकरण: स्वर और व्यंजन तथा स्वन परीवर्तन के कारण एवं दिशाएँ ।	**15**
4	**रूप एवं रूपिम विज्ञान वाक्य विज्ञान और अर्थ विज्ञान :-** रूप (पद) की परिभाषा, संबंध तत्व और उसक भेद, वाक्य विज्ञान : वाक्य का स्वरूप, वाक्य की परिभाषाएँ, अभिहितान्वयवाद (पदवाद) वाक्य के भेद,वाक्य विश्लेषण,निकटस्थ अवयव विश्लेषण । अर्थ विज्ञान- अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ बोध के बाधक तत्व, अर्थ प्रतिति के कारण, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ	**15**
5	**टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय**	

सन्दर्भ ग्रंथ -

1. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास - उदयनारायण तिवारी
2. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास - हेतु भारव्दाज
3. हिंदी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास - सत्यनारायण त्रिपाठ
4. हिंदी भाषा की संरचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी
5. हिंदी भाषा चिंतन - दिलीप सिंह
6. भाषा का संसार - दिलीप सिंह
7. भाषा चिन्तन के नये आयाम -रामकिशोर शर्मा
8. हिन्दी भाषा- डॉ. भोलानाथ तिवारी
9. भाषिक हिन्दी भाषा तथा भाषा शिक्षण- डॉ. अंबादास देशमुख
10. भाषा विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी
11. हिन्दी भाषा- डॉ. भोलानाथ तिवारी
12. भाषा विज्ञान -डॉ. तेजपाल चौधरी
13. भाषा विज्ञान- डॉ. रामस्वरूप खरे
14. भाषा विज्ञान- डॉ. डी. एम. दोमडिया
15. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा का इतिहास -डॉ.हणमंतराव पाटोल/ सुधाकर शेंडगे
16. भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम एवं हिन्दी भाषा- डॉ. अंबादास देशमुख
17. भाषा विज्ञान एक अध्ययन- गरिमा श्रीवास्तव
18. भाषा विज्ञान : हिन्दी भाषा- डॉ. सुरेश सिंहल
19. भाषा विज्ञान का रसायन- कैलाशनाथ पाण्डेय
20. .भाषा विज्ञान: हिन्दी भाषा और लिपि-रामकिशोर शर्मा
21. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त- -रामकिशोर शर्मा
22. भाषा विज्ञान के सिध्दांत - डॉ ओम प्रकाश शर्मा.
23. अभिनव भाषा विज्ञान - डॉ ओम प्रकाश शर्मा.

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे कुल अंक :- 50

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

Core Course - 506 - शोध प्रविधि

उद्देश्य : -

1. छात्रों को शाध का महत् व समझाना ।
2. शोध - संस्कृति विकसित करना ।
3. छात्रों को शोध के लिए प्रेरित करना ।
4. शोध -प्रकिया की वैज्ञानिक विधि समझाना ।

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान पध्दति
2. शोध-कार्यशाला का आयोजन
3. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग
4. विशेषज्ञों के व्याख्यान
5 शोध-अभ्यास

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	शोध : अंर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप शोध एवं चिंतन: सक्रिय चिंतन,निष्क्रिय चिंतन,बौद्धिक चिंतन,तार्किक चिंतन, सृजनात्मक चिंतन शोध के भेद :-साहित्यिक शोध तथा लोकसाहित्य में संबंधित शोध भाषावैज्ञानिक शोध : भाषा, बोलियॉ	15
2	शोध की प्रविधियॉ :-आलोचनात्मक प्रविधि,तुलनात्मकप्रविधि,विश्लेषनात्मक प्रविधि,सर्वेक्षनात्मक प्रविधि,ऐतिहासिक प्रविधि	15
3	शोध और आलोचना :साम्य,वैषम्य,परस्परपूरकता शोध-संस्कार:शोधार्थी के गुण,शोध निर्देशक के गुण,दोष ,शोध के सोपान : विषय चयन, सामग्री संकलन , रूपरेखा निर्माण , शोधप्रबंध लेखन , सन्दर्भ लेखन , सन्दर्भ ग्रंथ सूची लेखन , अंतिम प्रारूप एवमं टंकन , प्रूफ शोधन	15
4	शोध में संगणक का प्रयोग साहित्य-शोध चोरी (Plagiarism)	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ :-

1. शोध-प्रविधि : डॉ विजयमोहन शर्मा - नॅशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. शोध स्वरुप एवं व्यावहारिक कार्य विधि -वैजनाथ सिंहल , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली
3. साहित्यिक अंनुसंधान के आयाम - डॉ आर् के जैन दिल्ली
4. अनुसंधान प्रविधि -डॉ गणेशन एस् एन नॅशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
5. अनुवाद की भाषा एवं शब्दावली -संपा. डॉ सय्यद/डॉ मिर्ज़ा , हमदर्द पब्लिक लाइब्ररी ,बीड
6 . शोध संस्कृति- **डॉ संजय नवले.** अमन प्रकाशन, कानपुर
7. अनुसंधान प्रक्रिया और रुपरेखा –डॉ देवीदास इंगले ,अमन प्रकाशन , कानपुर ,2008
8 . अनुसंधान चिन्तन –अनुचितन –डॉ देवीदास इंगले , अमन प्रकाशन , कानपुर ,2008
9. अनुसन्धान एक विवेचन - डॉ.ओम प्रकाश शर्मा

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	**50**	**100**
20	**20**	**10**		

समय **:- 2 घंटे**   कुल अंक **:- 50**

प्रश्न 1 ला :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 2 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुतरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 3 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 4 था :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 5 वाँ :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत) - 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 513 - हिंदी के विभिन्न विमर्श : सामान्य परिचय

उद्देश्य :

1- विमर्शों की सामान्य जानकारी ।

2- विमर्शों की तात्विक विवेचन की जानकारी देना।

3- विभिन्न विमर्शों के उद्भव और विकास की जानकारी देना ।

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान पध्दति
2. शोध-कार्यशाला का आयोजन
3. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग
4. विशेषज्ञों के व्याख्यान
5 शोध-अंभ्यास

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	**हिंदी के विभिन्न विमर्शः–उद्भव और विकास**	15
2	**हिंदी के विभिन्न विमर्शः–तात्विक विवेचन**	15
3	**हिंदी के विभिन्न विमर्श से संबंधित रचना एवं रचनाकार (सामान्य परिचय)**	10
4	स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श, अल्पसंख्याक विमर्श, किन्नर विमर्श, पर्यावरण विमर्श, किसान विमर्श, लोकसाहित्य विमर्श, विकलांग विमर्श, **घुमंतू विमर्श एवं अन्य विमर्श**	**20**
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ :

1) भारतीय दलित साहित्य परिप्रेक्ष्य - संपादक पुन्नीसिंह कमलाप्रसाद
2) भारतीय साहित्य में दलित एवं स्त्री - चमनलाल
3) चिन्तन की परंपरा और दलित साहित्य - श्यौराजसिंह बेचैन
4) दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि
5) दलित साहित्य की भूमिका - कंवल भारती
6) दलित साहित्य का सौंदर्यशाास्त्र - शरणकुमार लिंबाले
7) हिंदी दलित कथासाहित्य - रजतरानी मीनू
8) हिंदी दलित साहित्य का इतिहास - मोहनदास नैमिशराय
9) स्त्री अस्मिता के सवाल - डॉ. प्रभा दीक्षित
10)किरदार जिन्दा है - रेखा कस्तवार
11) नागपाश में स्त्री - गीता श्री
12) स्त्री उपेक्षिता - अनु. प्रभा खेतान
13) अन्या से अनन्या - प्रभा खेतान

14) हिंदी नारी : कार्यशीलता के बदलते आयाम - डॉ. प्रभावती जडिया
15) महिला शोषण और मानवाधिकार - सुधारानी श्रीवास्तव
16) महिला उत्पीड़न - डॉ. रचना जौहरी
17) प्रभा खेतान के साहित्य में नारी विमर्श - डॉ. कामिनी तिवारी
18) साहित्य प्रवाह और स्त्री विमर्श - डॉ. रिचा भार्मा
19) उपनिवेश में स्त्री - प्रभा खेतान
20) औरत अस्तित्व और अस्मिता - अरविंद जैन
21) स्त्रीत्ववादी विमर्श समाज और साहित्य - क्षमा भार्मा
22) स्त्री विमर्शएक सशक्त पहचान की तलाश में - डॉ. राजकुमारसिंह
23) स्त्री लेखन : स्वप्न और संकल्प - रोहिणी अग्रवाल
24) परिधि पर स्त्री - मृणाल पाण्डे
25)आदिवासी स्वर एवं नयी शताब्दी : संपादक : रमणिका गुप्ता
26) आदिवासी साहित्य यात्रा : संपादक : रमणिका गुप्ता
27) आदिवासी कौन : संपादक : रमणिका गुप्ता
28)आदिवासी लोक अस्मिता खण्ड-1 संपादक : रमणिका गुप्ता
29) आदिवासी लोक : लोकसंस्कृति खण्ड-2 संपादक : रमणिका गुप्ता
30) जनजातीय मिथक : माडिया : डॉ. वेरियर एलविन अनुवादक निरंजन महावर
31) आदिवासियों की कहानियाँ : कैप्टन जे. फोरसिय ,अनुवादक दिनेश मालवीय
32) गोंडवाना की लोककथाएँ : डॉ. विजय चौरसिया
33) आदिवासी स्वर : सामाजिक आर्थिक जीवन : संपादक कुमार चौहान ,श्रीमती रेनू चौहान
35) आदिवासी - स्वर : संस्कार व प्रथाएँ : संपादक हरिनारायण दत्त , श्रीमती जसप्रीत बाजवा
36) आदिवासी स्वर : वाचिक परंपरा व साहित्य : संपादक वी.एस.चटर्जी , जयशंकर उपाध्याय
37) आदिवासी शौर्य एवं विद्रोह : रमणिका गुप्ता

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे कुल अंक :- 50

प्रश्न 1 ला :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुतरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 2 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुतरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 3 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 4 था :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोतरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 5 वाँ :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत) - 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र 514 - आलोचना तथा विविध वाद

उद्देश्य :

1- आलोचना शास्त्र का सामान्य परिचय कराना ।
2- विविध वादों से परिचित कराना ।
3- आलोचना तथा विविध वादों से संबंधित रचना एवं रचनाकारों की जानकारी देना ।

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान पध्दति
2. शोध-कार्यशाला का आयोजन
3. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग
4. विशेषज्ञों के व्याख्यान
5 शोध-अभ्यास

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	**मार्क्सवादी आलोचना :** मार्क्सवादी आलोचना के आधार तत्व, मार्क्सवादी आलोचना की विशेषताएँ, मूल्य का श्रम सिद्धांत, ऐतिहासिक भौतिकवाद, पश्चिम के मार्क्सवादी आलोचक, भारत के मार्क्सवादी आलोचक, नव मार्क्सवादी आलोचक,-प्रधान मार्क्सवादी कृतियाँ, प्रमुख मार्क्सवादी रचनाकार	8
2	**मनौवैज्ञानिक आलोचना :** मनौवैज्ञानिक आलोचना के आधार तत्व, मनौवैज्ञानिक आलोचना की विशेषताएँ, सिग्मण्ड फ्रायड का अंतश्चेतनावादी कला चिंतन, अल्फ्रेड एडलगर का व्यक्तित्व का सिद्धांत, कार्ल युंग के सिद्धांत में चेतन मन, कार्ल युंग क सिद्धांत में व्यक्तिगत अचेतन, कार्ल युंग के सिद्धांत में सामुहिक अचेतन, प्रधान मनौवैज्ञानिक कृतियाँ, प्रधान मनौवैज्ञानिक रचनाकार, प्रधान मनौवैज्ञानिक आलोचक	8
3	**गांधीवादी आलोचना :** गांधीवादी आलोचना के आधार तत्व, गांधीवादी आलोचना की विशेषताएँ, ट्रस्टीशीप की अवधारणा और गांधी दर्शन, सत्य,अहिंसा और सत्याग्रह की अवधारणा, सर्वोदय की संकल्पना, गांधी दर्शन की	8

	प्रासंगिकता, गांधीवादी दर्शन से प्रभावित कृतियाँ, प्रमुख गांधीवादी साहित्य कृतियाँ, प्रमुख गांधीवादी रचनाकार, प्रमुख गांधीवादी आलोचक	
4	**सौंदर्यशास्त्रीय आलोचना :** सौंदर्यशास्त्र की अवधारणा और स्वरूप, सौंदर्यशास्त्र आलोचना की विशेषताएँ, सौंदर्यशास्त्रः भारतीय अवधारणा, सौंदर्यशास्त्र : पश्चिमी अवधारणा, सौंदर्यशास्त्र में कला,संस्कृति और प्रकृति का महत्त्व, सौंदर्यशास्त्रीय रचनाएँ, सौंदर्यशास्त्रीय रचनाकार, सौंदर्यशास्त्रीय आलोचक	8
5	**स्त्रीवादी आलोचना :** स्त्रीवादी आलोचना के आधार तत्व, स्त्रीवादी आलोचना की विशेषताएँ, प्रधान स्त्रीवादी आंदोलन, स्त्री सशक्तिकरण की अवधारणाा, स्त्रीवाद : भारतीय परिप्रेक्ष्य, स्त्रीवाद : पश्चिमी परिप्रेक्ष्य, स्त्रीवादी साहित्य कृतियाँ, स्त्रीवादी रचनाकार स्त्रीवादी आलोचक	8
6	**आंबेडकरवादी आलोचना :** आंबेडकरवादी आलोचना के आधार तत्व, आंबेडकरवादी आलोचना की विशेषताएँ, प्रधान दलित मुक्ति आंदोलन, दलित विमर्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य, दलित विमर्श : पश्चिमी परिप्रेक्ष्य, दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, आंबेडकर दर्शन से प्रभावित रचनाएँ, आंबेडकरवादी साहित्यकार, आंबेडकरवादी आलोचक	6
7	**समरसतावादी आलोचना :** समरसतावादी आलोचना के आधार तत्व, समरसतावादी आलोचना की विशेषताएँ, भारतीय वर्णव्यवस्था और समरसता, भारतीय जातिव्यवस्था और समरसता, भारतीय संविधान और समता, समरसतावादी साहित्यिक कृतियाँ, समरसतावादी साहित्यकार, समरसतावादी आलोचक	6
8	**तुलनात्मक आलोचना :** तुलनात्मक आलोचना के आधार तत्व, तुलनात्मक आलोचना की विशेषताएँ, तुलनात्मक आलोचना का महत्व, भारतीय परिप्रेक्ष्य में तुलनात्मक आलोचना, पश्चिमी परिप्रेक्ष्य में तुलनात्मक आलोचना, तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद, भारतीय साहित्य और तुलनात्मक आलोचना, सामान्य आलोचना और तुलनात्मक आलोचना में अंतर, प्रमुख तुलनात्मक आलोचक	8
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ :

1) समीक्षा शास्त्र के सिद्धान्त - डॉ. श्यामसुंदरदास
2) हिंदी साहित्य : बींसवी सदी - नंददुलारे वाजपेयी
3) रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना - डॉ. रामविलास शर्मा
4) इतिहास और आलोचना - नामवर सिंह
5) कविता के नये प्रतिमान - नामवर सिंह
6) वाद-विवाद-संवाद - नामवर सिंह

7) छायावाद - नामवर सिंह
8) आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द - बच्चनसिंह
9) हिंदी आलोचना : बीसवी सदी - निर्मला जैन
10) हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी
11) आलोचना और आलोचना - डॉ. बच्चनसिंह
12) आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना परंपरा - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
13) साहित्य के समाजश ास्त्र की भूमिका - डॉ. मैनेजर पाण्डेय
14) उत्तर आधुनिक दौर में साहित्य - सुधीर पचौरी
15) नई कविता का आत्मसंघर्ष एवं अन्य निबंध - मुक्तिबोध
16) मार्क्सवादी साहित्य चिन्तन - शिवकुमार मिश्र
17) आलोचना और आलोचना - देवीशंकर अवस्थी
18) आलोचना की समकालीनता - परमानंद श्रीवास्तव
19) प्रगतिशील साहित्य - डॉ. रामेश्वर शर्मा
20) शिखरों से साक्षात्कार - डॉ रामचंद्र तिवारी
21) आलोचकों की आलोचना - डॉ. मनोज पाण्डेय
22) हिंदी आलोचना : दृष्टि और प्रवृत्तियाँ - डॉ. मनोज पाण्डेय
23) हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ - खंडेलवाल, गुप्त
24) साहित्य विविध वाद - डॉ.ओम प्रकाश शर्मा

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे कुल अंक :- 50

प्रश्न 1 ला :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुतरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 2 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 3 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोतरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 4 था :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोतरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 5 वॉ :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत) - 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 515 - विधा स्वरूप विवेचन

उद्देश्य :

1- काव्य विधाओं के तत्त्वों का परिचय कराना ।
2- कथा साहित्य के तत्त्वों का परिचय कराना ।
3- नाटक एवं एकांकी के तत्वों का परिचय कराना ।
4- कथेतर गद्य साहित्य की विभिन्न विधाओं का परिचय कराना ।

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान पध्दति
2. शोध-कार्यशाला का आयोजन
3. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग
4. विशेषज्ञों के व्याख्यान
5 शोध-अभ्यास

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएँ
1	काव्य विधाऐं : प्रबंधकाव्य, महाकाव्य, खण्डकाव्य एवं गीति काव्य का तात्विक विवेचन **एवं प्रमुख रचनाकार**	15
2	कथा सहित्य : तात्विक विवेचन **एवं प्रमुख रचनाकार** (लघुकथा-कहानी-उपन्यास)	15
3	**नाटक-एकांकी-रेडिओ एकांकी** : तात्विक विवेचन **एवं प्रमुख रचनाकार**	15
4	कथेतर गद्य साहित्य की विभिन्न विधाओं का तात्विक विवेचन **एवं प्रमुख रचनाकार** (निबंध-व्यंग्य, रेखाचित्र-संस्मरण, आत्मकथा-जीवनी, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, पत्रकारिता, डायरी, पत्र, यात्रावृत, आलोचना-शोध **एवं अन्य नव्यतम विधाएँ**)	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ :

1.हिंदी का गद्य साहित्य : रामचन्द तिवारी

2.हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

3.आज का हिंदी नाटक : प्रगति और प्रभाव : दशरथ ओझा

4. कथेतर गद्य विधाएँ : विविध विमर्श – डॉ.राहुल बदने

5. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

6. हिंदी गद्य मीमांसा - रमाकांत त्रिपाठी

7. साहित्य की गद्य विधाएँ - प्रो. हरिमोहन

8. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

9. हिंदी आत्मकथाएँ सिद्धांत , स्वरूप एवं - डॉ. विनिता अग्रवाल विश्लेषण

10. गद्य विविधा : डॉ. राकेश गुप्त, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

11. हिंदी गद्य संकलन : मधुलिका राय, एस.चन्द एन्ड कंपनी लि. रामनगर, नई दिल्ली

12. हिंदी गद्य विधाएं : हरिमोहन

13.हिन्दी निबंध का विकास : ओंकारनाथ शर्मा

14.कहानी : नयी कहानी : नामवर सिंह

15. हिंदी की गद्य विधाएँ-बैजनाथ सिंहल ,हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़

16. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी रंगमंच - डॉ.ओम प्रकाश शर्मा

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे **कुल अंक :- 50**

प्रश्न 1 ला :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुतरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 2 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 3 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 4 था :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 5 वाँ :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत) - 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 516 - विशेष रचनाकार- प्रेमचंद

उद्देश्य :

1- प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचय होना ।
2- प्रेमचंद के कथा साहित्य से परिचय होना ।
3- प्रेमचंद की विचारा धारा से परिचित होना ।
4- प्रेमचंद साहित्य और हिंदी सिनेमा पर प्रकाश डालना ।

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान पध्दति
2. शोध-कार्यशाला का आयोजन
3. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग
4. विशेषज्ञों के व्याख्यान
5 शोध-अभ्यास

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएँ
1	प्रेमचंद की विचारधारा और उनका साहित्य प्रेमचंद का साहित्य और किसान विमर्श प्रेमचंद के साहित्य में दलित प्रेमचंद के साहित्य में स्त्री प्रेमचंद और सिनेमा	20
2	गबन-प्रेमचंद (उपन्यास)	20
3	प्रेमचंद की कहानियॉ – ईदगाह, पूस की रात, कफन, बडे भाई साहब, पंच परमेश्वर, सभ्यता का रहस्य, नशा, ठाकुर का कुँआ, नया विवाह, बेंटोवाली विधवा	20
4	**संग्राम (नाटक)-प्रेमचन्द**	
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्यपुस्तक :-

1.गबन-प्रेमचंद

2. संग्राम (नाटक)-प्रेमचन्द- डायमंड पाकेट बुक्स

संदर्भ ग्रंथ :

1- *प्रेमचंद - घर में - शिवरानी देवी ।*

2- *प्रेमचंद : एक विवेचन - इन्द्रनाथ मदान ।*

3- *प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा*

4- *प्रेमचंद : कलम का सिपाही - अमृतराय ।*

5- *प्रेमचंद - मदनगोपाल ।*

6- *प्रेमचंद - जीवन, कला एवं कृतित्व - हंसराज रहबर ।*

7- *प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचन - नंददुलारे वाजपेयी ।*

8- *कथाकार प्रेमचंद - मन्मथनाथ गुप्त*

9- *प्रेमचंद : एक अध्ययन - राजेश्वर गुरु ।*

10- *प्रेमचंद की उपन्यास कला - जनार्दन प्रसाद राय ।*

11- *प्रेमचंद एवं भारतीय किसान - रामवक्ष*

12- *प्रेमचंद : गंगा प्रसाद विमल*

13- *प्रेमचंद के साहित्य सिद्धान्त - नरेन्द्र कोहली*

14- *प्रेमचंद : एक कला व्यक्तित्व - जैनेन्द्र*

15- *प्रेमचंद स्मृति - सं0 अमृतराय ।*

16- *प्रेमचंद : चिंतन और कला - सं0 इन्द्रनाथ मदान ।*

17- *प्रेमचंद और गोर्की - श्री मधु, प्रगति प्रकाशन, मास्को ।*

18- *हिंदी उपन्यास : विशेषतः प्रेमचंद : नलिन विलोचन शर्मा ।*

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे कुल अंक :- 50

प्रश्न 1 ला :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुतरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 2 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुतरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 5 अंक

प्रश्न 3 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोतरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 4 था :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोतरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 5 वाँ :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत) - 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 517- विशेष रचनाकार- सुशीला टाकभोरे

उद्देश्य :

१. सुशीला टाकभौरे के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचय होना ।
२. सुशीला टाकभौरे के कहानी साहित्य से परिचय होना ।
३. सुशीला टाकभौरे के आत्मकथा से परिचित होना ।
४. सुशीला टाकभौरे के कविताओं से परिचित होना ।

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान पध्दति
2. शोध-कार्यशाला का आयोजन
3. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग
4. विशेषज्ञों के व्याख्यान
5 शोध-अभ्यास

पाठयक्रम :

	पाठयांश	तासिकाएँ
1	सुशीला टाकभौरे का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	12
2	कहानी संकलन -टूटता वहम	12
3	काव्य संकलन- -यह तुम भी जानो	12
4	आत्मकथा -शिकंजे का दर्द	12
5.	नाटक - रंग और व्यंग्य	12

पाठ्य पुस्तकें

1. टूटता वहम – सुशीला टाकभौरे , शिल्पायन प्रकाशन, नई दिल्ली

2. यह तुम भी जानो - सुशीला टाकभौरे, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली

3. शिकंजे का दर्द - सुशीला टाकभौरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

4. रंग और व्यंग्य - सुशीला टाकभौरे, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

1. दलित लेखन में स्त्री चेतना की दस्तक संक-सम्पा. – शिवरानी प्रभात पुहाल, प्रकाशक अक्षर शिल्पी ,दिल्ली
2. सुशीला टाकभौर के साहित्य में दलित महिला चेतना डॉ. सरिता ,प्रकाशन साहित्य संस्थान, गाजियाबाद
3. दलित चेतना और सुशीला टाकभौर साहित्य- डॉ. विनोद चौधरी , उत्कर्ष पब्लिशिंग एंड डिस्टरबूटिंग , कानपुर
4. सुशीला टाकभौर के उपन्यास – डॉ. राजमुनी, अमन प्रकाशन, कानपुर
5. मेरे साक्षात्कार - सुशीला टाकभौर,शिल्पायन प्रकाशन, नई दिल्ली
6. संवादों के सफ़र- सुशीला टाकभौर, शिल्पायन प्रकाशन, नई दिल्ली
7. सुशीला टाकभौर के साहित्य में दलित नारी संवेदना - डॉ.शिवगंगा रंजनगी
8. हिंदी लेखिकाओं की आत्मकथा- डॉ.राजेश्वरी राजन, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद
9. उपन्यासकार सुशीला टाकभौर एवं नारी अस्मिता- डॉ.संध्या कदम,विनय प्रकाशन, कानपुर
10. सुशीला टाकभौर कृत शिकंजे का दर्द में दलित जीवन – डॉ.के.साईलता

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे कुल अंक :- 50

प्रश्न 1 ला :-	ससंदर्भ व्याख्या कीजिये (किन्ही दो पर) (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 5 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 518 - विशेष रचनाकार -शंकर पुणतांबेकर

उद्देश :

1. सुप्रसिद्ध व्यंग्य साहित्यकार,डॉ.शंकर पुणतांबेकर जी के जीवन एवं रचना परिचय से छात्रों को अवगत कराना ।
2. सुप्रसिद्ध व्यंग्य साहित्यिक डॉ. शंकर पुणतांबेकर जी के साहित्यिक योगदान को रेखांकित करना ।
3. व्यंग्य विधा का सैद्धांतिक विवेचन करना ।
4. व्यंग्य की सैद्धांतिकी के आधार पर डॉ. शंकर पुणतांबेकर जी के व्यंग्य साहित्य का मूल्यांकन करना !
5- व्यंग्य विधा में डॉ.शंकर पुणतांबेकर जी के योगदान को उजागर करना ।

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान पध्दति
2. शोध-कार्यशाला का आयोजन
3. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग
4. विशेषज्ञों के व्याख्यान
5 शोध-अभ्यास

पाठयक्रम :

	पाठयांश	तासिकाएँ
1	व्यंग्य विधा के सैद्धांतिक विवेचन तथा डॉ. शंकर पुणतांबेकर जी का जीवन एवं रचना परिचय : व्यंग्य की परिभाषा और स्वरूप, व्यंग्य से संबंधित शब्दावली, व्यंग्य के प्रमुख तत्त्व, स्वातंत्रपूर्व/स्वातंत्रोत्तर हिन्दी व्यंग्य का विकास, डॉ.शंकर पुणतांबेकर जीवन,परिचय,डॉ. पुणतांबेकर पुरस्कार एवं सम्मान	15
2	डॉ.शंकर पुणतांबेकर जी की व्यंग्य कथाएँ : लोकतंत्र है यह (जंगल में इस इस कथा संकलन से), वासनाकांड (तेरहवॉ डिनर इस कथा संकलन से), अजंठा की एक नई गुफा (पराजय की जुबली इस कथा संकलन से), बिखरे हुए संदर्भ (कट आउट इस संकलन से), एक दौरे पर (मेरी फॉसी इस संकलन से)	15
3	डॉ.शंकर पुणतांबेकर का व्यंग्य नाटक : सफेद कौवें काले हंसः सफेद कौवें काल हंस-कथावस्तु, प्रमुख तथा गौण पात्र एवं चरित्र चित्रण,संवाद कौशल, उद्देश्य एंव देशकाल वातावरण, कथ्यगत एवं शिल्पगत विशेषताएँ	15

4	डॉ.शंकर पुणतांबेकर का आत्मचरित्र : बिखरे पन्ने (निम्नलिखित अंश)- आत्मकथा क्यों?, कुछ वर्तमान की-१,लेखन की बात, कुछ रेंगते सवाल, मैं और मेरा व्यंग्य, व्यंग्य अमरकोश से मिलिए, लघुकथा : जैसे मैंने देखी-लिखी, कुछ प्रसंग-७, शंकर रिचाए पर बात-१, क्या खोया क्या पाया	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

संदर्भ सूची :

1- व्यंग्य चेतना और शंकर पुणतांबेकर -डॉ. सुरेश माहेश्वरी

2- हिंदी व्यंग्य परंपरा में शंकर पुणतांबेकर का योगदान-प्रा. अनुपमा प्रभुणे

3- स्वातंत्रोत्तर हिंदी व्यंग्य निबंध-डॉ.शशि मिश्रा

4- शंकर पुणतांबेकर शोध प्रबंध-डॉ.मीना भंडारी,कल्याण

5- व्यंग्य के परिप्रेक्ष्य में शंकर पुणतांबेकर के साहित्य का मूल्यांकन शोध प्रबंध-डॉ.जितेन्द्र नाना कोले

6- शैलीकार शंकर पुणतांबेकर-प्रा.डॉ.ओमप्रकाश शर्मा

7- येथे शब्द माझे जळती व्यंग्य छटा-डॉ.शंकर पुणतांबेकर लिखित मराठी किताब

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन			सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मूल्यांकन परीक्षा टेस्ट	परिचर्चा–सेमिनार	50	100
20	20	10		

समय :- 2 घंटे **कुल अंक :- 50**

प्रश्न 1 ला :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 05 अंक

प्रश्न 2 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 05 अंक

प्रश्न 3 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 10 अंक

प्रश्न 4 था :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 10 अंक

प्रश्न 5 वाँ :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत) - 10 अंक